डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 236 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 10 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को मिलने लगेगी छुट्टियां

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद पुलिसकर्मियों को तीन माह बाद छुट्टियां मिलनी शुरू होंगी। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव के चलते पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई थी। लोकसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था और वीआइपी गतिविधियों को लेकर पुलिस जवानों का अवकाश निरस्त किया गया था। लोकसभा चुनाव खत्म हो चुका है, अब सामान्य रूप से पुलिस जवानों को अवकाश दिया जा सकता है। जिसको लेकर आदेश जारी कर दिया गया। आदर्श आचार संहिता खत्म होने के बाद पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है। आदेश में लिखा है कि लोकसभा चुनाव खत्म हो चुका है, अब सामान्य रूप से पुलिस जवानों को अवकाश दिया जा सकता है। जिसको लेकर आदेश 7 जून को जारी कर दिया गया है।

अंधे कत्ल: ताला-लोटा ने किया हत्यारों को सलाखों के पीछे

छोटे-छोटे सबूतों को सीढ़ी बनाकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। दो साल में 20 से ज्यादा अंधेकत्ल जिले में सामने आए। प्लान तो हत्यारों ने पूरी योजना के साथ बनाया। लेकिन लोटा, ताला, लोहे का छरपला, जले हुए कपड़े और मोबाईल जैसी चूक ने आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। छोटे- छोटे सबूतों पर काम करके पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में कामयाब रही। इन अंधे कत्लों की परतें हटने लगीं तो आंखें खोलने वाली कहानियां सामने आई।

मादक पदार्थ के लिए की हत्या...

बीती 28 मार्च 2024 को पिपलियामंडी के लसुड़िया राठौर निवासी चंद्रकुंवर (70) पति समंदर सिंह राठौड की लाश मिली। शरीर पर धारदार हथियार के निशान थे। घर के कुंडे में रखी अफीम नहीं मिली। अफीम लूट के मामले में मर्डर हुआ। इसमें तस्कर की भूमिका सामने आई। जो पहले भी यहां आ चुका था। मामले में दशरथ पिता ओमप्रकाश चौधरी चावली, अनिल पिता नाथूलाल बावरी, राहुल पिता रमेशचंद्र बावरी हरमाला व किशोरदास पिता हीरादास बैरागी को पुलिस ने गिरफ्त में लिया। लोहे के छरपले से हत्या की थी। जो सबूत बना।

प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण...

21 जनवरी 2024 को भावगढ़ थाने के खोडाना में त्रिकोणीय प्रेम-प्रसंग के चलते रतलाम के रेलवे इंजीनियर दीक्षांत पंड्या का मर्डर हो गया। दीक्षांत के खिलाफ ढोढर निवासी मित्र युवती ने अपने प्रेमी मोहसिन पिता नजीम खां निवासी परवलिया थाना रिंगनोद के साथ मिलकर साजिश रची। उस पर पिस्टल से फायरिंग की थी। आरोपी ने साक्ष्य छिपाने के लिए अपने कपड़े व मोबाइल जला दिए थे। घटनास्थल से मिले मृतक के मोबाइल से केस सुलझा।

दहेज के लिए महिला की जान...

31 अक्टूबर 2023 को सोनगरी निवासी फरजाना मेवाती (28) की मौत को परिजन ने सामान्य करार दिया था। पिता द्वारा दहेज का जिक्र कर बेटी को फांसी देने व गला घोंटने की शंका व पुलिस में आवेदन के बाद लाश का पीएम हुआ। मामले में पीएम व क्यूरी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी जावेद उर्फ भुरू पिता शहजाद खां निवासी सोनगरी लाल कुआं, शहजाद पिता मम्मू हजारी (ससुर) रशीदा बी पति शहजाद खान (सास) समेत 6 आरोपी बने।

पूछताछ में ब्लैक मेलिंग व मर्डर का केस खुला...

8 मार्च 2023 को पुलिस ने खुलासा किया कि युवक संजय अग्रवाल को 2015 में गला दबाकर मारा था। मामले में आरोपी गजेंद्र उर्फ टीटू उर्फ बंटी पिता उदयलाल गुर्जर था। जिसने साथी की मदद से संजय की लाश बोरे में भरकर कुएं में फेंकी थी। पुलिस के अनुसार संजय ने गजेंद्र की पत्नी व भतीजी का नहाते हुए वीडियो बनाया व रुपए के लिए परेशान करता था।

यह घटनाक्रम भी हुए...

✻ अप्रैल 2023 को महिला के अंधे कत्ल के मामले में स्टील का लोटा सबूत बना। ये चोरी के लिए ही वारदात की थी। ✻ 6 मार्च 2022 को शामगढ़ के असावती में 52 साल के व्यक्ति की कुल्हाड़ी से हत्या बेटे ने ही की, सगाई टूटने के पीछे पिता को जिम्मेदार मानता था। ✻ 12 फरवरी 2022 को मंदसौर में रिटायर्ड टीचर संतोष मिश्रा की हत्या मोहल्ले के ही पंक्चर बनाने वाले हेमंत व्यास ने की। ताला सबूत बना। आरोपी पर 2 लाख कर्ज था।

बिना मुंडेर के कुओं पर कार्रवाई की दरकार

लगातार हो रहे हादसों ने फिर चेताया- ऐसे कुओं से झांक रही मौत

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में बिना मुंडेर के कुओं को लेकर अब तक कई कलेक्टर कार्रवाई के निर्देश दे चुके हैं। लेकिन, कलेक्टर दिलीप कुमार यादव द्वारा दस माह पहले दिखाई सख्ती के बाद कई जगहों पर कुआं मालिकों पर एफआईआर हुई। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि कारवाई तो इस मामले में जरुर हुई, लेकिन बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने पलटकर नहीं देखा कि मुंडेर बनी या नहीं। पिछले दिनो हुए हादसों ने बता दिया कि जिले में बिना मुंडेर के कुओं से मौत झांक रही है। शनिवार को लसुड़िया राठौर में सड़क किनारे बिना मुंडेर के कुएं में ट्रैक्टर पानी के खाली टैंकर सहित गिर गया। हादसे में दो लोग घायल हुए। इसी तरह से चिल्लौद और टकरावद के बीच बिना मुंडेर के कुएं में एक बोलेरो जा गिरी। जिसमें एक घायल हो गया। दोनों ही मामलों में कुएं में पानी नहीं था। अन्यथा किसी की जान भी जा सकती थी।

पूर्व कलेक्टर शशांक मिश्र ने अभियान चलाकर 75 बिना मुंडेर के कुएं चिन्हित किए थे। इसके बाद पूर्व कलेक्टर संजीवसिंह ने भी इस दिशा में कदम उठाए और एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए। एक हादसे के बाद पूर्व कलेक्टर मनोज पुष्प ने भी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। लेकिन अधिकारियों ने निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। दस माह पहले कलेक्टर दिलीप कुमार यादव की सख्ती का असर दिखा। थानों में एक दर्जन से ज्यादा कुआ मालिकों के खिलाफ धारा 188 के तहत एफआईआर भी हुई। लेकिन एफआईआर कराने के बाद पीछे मुड़कर अधिकारियों ने नहीं देखा कि कुओं की मुंडेर बनी है या नहीं।

जिले में बिना मुंडेर वाले कुओं से होने वाली दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रशासन कितना गंभीर है, यह इसी से पता चलता है कि कुछ साल पहले सर्वे में जिले में कई खतरनाक कुओं को चिन्हित करने के बाद भी कुछ नहीं हो सका है। खेतों की ओर जाती पगडंडियों, राजमार्गों सहित जिले के कई मार्गों के आसपास बिना मुंडेर के कुओं की वजह से कई लोगों की मौत हो चुकी है। 16 नवंबर 2016 को ग्राम देवरी में बिना मुंडेर के कुएं में कार गिरने से तीन लोगों की जान गई तो अधिकारी हरकत में आए और सर्वे कराया। तब 94 बिना मुंडेर वाले कुएं चिन्हित किए। हालांकि यह संख्या हकीकत में चार सौ से अधिक है। अब कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देशों के बाद एफआईआर तो हुई, लेकिन यह आंकड़ा किसी के पास नहीं है कि बिना मुंडेर के कुएं अब कितने बचे हैं?

अवैध शराब की सूचना पर पुलिस ने दी दबिश

वाहन चोरों से मिली दो बाइक, तीन गिरफ्तार

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब की सूचना पर दबिश दी तो वहां से दो चोरी की बाईक व वाहन चोर मिल गए। जिन्हें गिरफ्तार किया गया।

शहर पुलिस ने बताया कि 08 जून को थाना सिटी कोतवाली पुलिस को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई की घटनास्थल अलावदाखेडी रोड व घटनास्थल गोपाल कृष्ण गोशाला के सामने प्रतापगढ रोड मंदसौर से कोई बदमाश अवैध शराब का परिवहन कर रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा आरोपी मोहसीन उर्फ सन्नी पिता फतेह मौ. मेवाती उम्र 34 साल निवासी नयापुरा रोड, इमरान उर्फ रतलामी पिता निसार मेवाती उम्र 34 साल निवासी रोशन कालोनी और जयसिंह पिता भारत सिंह चौहान जाति राजपूत उम्र 25 साल निवासी खाटु श्याम मंदिर के पास जनता कालोनी को पकडा। आरोपियो से अवैध शराब के साथ चोरी की बाईक भी जब्त हुई। यह बाईक सिटी कोतवाली क्षेत्र में चोरी हुई थी। जिनके नंबर एमपी 14 एमजी 9109 कीमती 45000 रुपये एवं एक अन्य मोटरसाइकिल जो मल्हारगढ क्षेत्र की है वह भी जप्त की गई है । जिसके सबंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

मामला- वन विभाग और राजस्व अमले के आमने-सामने होने का...

रेंजर एसोसिएशन ने किया कार्रवाई का विरोध

कहा, प्रदेश के सभी रेंजर वर्दी उतारकर खूंटी पर टांग देंगे

नीमच, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में वन विभाग और राजस्व विभाग के अफसरों के बीच अधिकारों की लड़ाई और जावद के फॉरेस्ट रेंजर विपुल करोदिया के निलंबन के मामले ने तूल पकड लिया है। मप्र फॉरेस्ट रेंजर एसोसिएशन ने वन बल प्रमुख को पत्र लिखकर इस निलंबन को नियम विरुद्ध बताकर वन भूमियों पर राजस्व विभाग की दखलंदाजी रोकने की मांग उठाई है।

रेंजर एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशुपाल अहिरवार ने कहा कि यदि निलंबन रद्द नहीं किया गया तो प्रदेश के सभी फॉरेस्ट रेंजर अपनी वर्दी उतारकर खूंटी पर टांग देंगे। राजस्व विभाग के अधिकारी प्रदेशभर में खसरा नंबरों में हेरफेर कर वन विभाग की जमीनों की बंदरबांट और हेराफेरी कर रहे हैं, जब वन विभाग के अधिकारी इस पर आपत्ति करते हैं, तो उन्हें परेशान किया जाता है और उनकी आपत्तियों को कूटरचित दस्तावेज बनाकर बदल दिया जाता है। राजस्व विभाग के अफसर वन विभाग की सीमावर्ती जमीनों को गैर वन भूमि बताने के लिए अनैतिक दबाव डालते हैं, और दबाब में नहीं आने पर झूठे मामलों में फंसाया जाता है। जिले के जावद फॉरेस्ट रेंजर को इसी तरह के मामले में फंसाकर कलेक्टर की सिफारिश के आधार पर उज्जैन संभागायुक्त ने निलंबित किया है।

फॉरेस्ट रेंजर एसोसिएशन ने निलंबन की इस कार्रवाई को वन विभाग के अफसरों के क्षेत्राधिकार में दखलंदाजी बताया है। ऐसोसिएशन ने कहा कि यदि वन विभाग के किसी कर्मचारी ने गड़बड़ी की भी है तो संबंधित विभाग को ही कार्रवाई की सिफारिश कलेक्टर द्वारा की जानी चाहिए। लेकिन, जानबूझकर सीसीएफ स्तर के अफसर को इसकी जानकारी भी नहीं दी गई। वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने रेंजर एसोसिएशन को पूरे मामले की जांच कराए बिना कार्रवाई नहीं होने देने का आश्वासन दिया है।

स्वीमिंग का आनंद – रविवार को स्वीमिंग पुल में गरमी से राहत पाने के लिए बड़ों एवं बच्चों ने स्वीमिंग का आनंद लिया।

गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर जल्द दौड़ेंगे वाहन

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। दो हजार पांच सौ करोड़ रुपए की लागत से बन रहे गरोठ- उज्जैन फोरलेन का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। संभावना जताई जा रही है कि अगले माह अर्थात जुलाई में इस सड़क पर वाहन दौड़ने लगेंगे। 136 किमी लंबे इस मार्ग का निर्माण पूरा होने के बाद सिर्फ जिले के ही नहीं बल्कि समीपवर्ती राजस्थान के लोगों को भी लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पूर्व में गरोठ से उज्जैन तक का सफर तय करने के लिए 5 घंटे का समय खर्च करके 160 किमी की दूरी तय करना पड़ती थी। अब यह दूरी 136 किमी होकर सफर में भी सिर्फ दो घंटे का ही समय लगेगा।

जानकारी के अनुसार पूर्व में गरोठ सहित क्षेत्र के लोग उज्जैन पहुंचने के लिए डग-बड़ौद-उज्जैन 160 किमी मार्ग या फिर सुवासरा-आलोट-नागदा वाले 165 किमी लंबे मार्ग का सहारा लेते थे। घुमावदार टर्न के बीच घंटों का सफर और सड़को की बदहाल स्थिति राहगिरों के लिए परेशानी का सबब थी। आगर व फिर उज्जैन तक यातायात के अधिक दबाव के चलते समय अधिक लगता था। लोगों के अनुसार पहले जब जरुरी काम पूरा करके उज्जैन से वापिस गरोठ लौटते तक तक रात हो चुकी होती थी। रात के समय सफर तय करना खतरे से खाली नहीं था। लेकिन, गरोठ-उज्जैन फोरलेन, गरोठ या मंदसौर जिले के लिए ही नहीं बल्कि समीपवर्ती राजस्थान क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार देने वाला साबित होगा। सिंहस्थ 2028 के लिए यह मार्ग लाभकारी होगा। इस फोरलेन निर्माण से यातायात का दबाव भी कम होगा तो जिले के व्यापार-व्यवसाय को भी बढावा मिलेगा। बता दें कि इस मार्ग को बनाने के लिए 4 जिलों के करीब 65 गांवों के लोगों को मुआवजा दिया गया। वर्ष 2028 के सिंहस्थ में राजस्थान व मप्र के कई जिलों का ट्रैफिक इधर डायवर्ट हो जाएगा। इंदौर से भी कनेक्टिविटी होने से औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी।

तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने नरेन्द्र मोदी

72 मंत्रियों ने ली शपथ, 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, 36 राज्यमंत्री

नई दिल्ली, 9 जून। भारत को आज नई सरकार मिल गई और प्रधानमंत्री के रुप में नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार शपथ ग्रहण की है। वे जवाहर लाल नेहरु के बाद दूसरे पीएम बन गए है। श्री मोदी के शपथ लेने के बाद राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, शिवराजसिंह चौहान फिर निर्मला सीतारमण ने शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कुल 72 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। जिसमें 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार व 36 राज्य मंत्री हैं।

राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह में 7 देशों के नेताओं के अलावा देश के फिल्म स्टार भी पहुंचे। इनमें अक्षय कुमार, शाहरुख खान, विक्रांत मेसी व राजकुमार हिरानी शामिल रहे। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी भी मौजूद थे।

मोदी कैबिनेट के मंत्रियों की सूची- ✻ नरेंद्र मोदी-लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की, उत्तर प्रदेश के वाराणसी से तीसरी बार लोकसभा का चुनाव जीतक सांसद बने हैं। ✻ राजनाथ सिंह-उम्र 72 साल, देश के गृह व रक्षा मंत्री रह चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री-भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं। ✻ अमित शाह उम्र 59 साल, देश के गृह मंत्री-भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं। लगातार गांधीनगर से दूसरी बार सांसद बने। चार बार गुजरात के विधायक रहे हैं, गुजरात के पूर्व गृह राज्यमंत्री भी हैं। ✻ नितिन गडकरी उम्र 67 साल, 2014 से मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लगातार तीसरी बार महाराष्ट्र के नागपुर से चुनाव जीतकर

सांसद बने हैं। ✻ जेपी नड्डा उम्र 63 साल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। 2014 में मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे, हिमाचल सरकार में भी कैबिनेट मंत्री रहे हैं। ✻ शिवराज सिंह चौहान। उम्र 65 साल, पहली बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और मध्य प्रदेश की विदिशा से लोकसभा चुनाव जीते हैं। ✻ निर्मला सीतारमन उम्र 64 साल, पिछली सरकार में वित्त मंत्री रहीं, राज्यसभा से सांसद हैं। ✻ एस जयशंकर उम्र 69 साल, विदेश सचिव के पद से रिटायर होने के बाद देश के विदेश मंत्री बने, 2 बार राज्यसभा से सांसद चुने गए हैं। ✻ मनोहरलाल खट्टर उम्र 70 साल, पहली बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की, 9 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के पूर्व प्रचारक हैं और हरियाणा की करनाल से पहली बार सांसद चुने गए हैं।

✻ एचडी कुमारस्वामी उम्र 65 साल, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौडा के बेटे हैं और वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। तीसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं, एनडीए के सहयोगी जनता दल सेक्युलर के नेता हैं। ✻ पीयूष गोयल उम्र 60 साल, राज्य सभा में नेता सदन रहे हैं। पहली बार लोकसभा से सांसद चुने गए हैं। इससे पहले राज्यसभा के सदस्य के तौर पर सांसद बन पिछली सरकारों में मंत्री रहे। महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ सीट से सांसद चुने गए है। ✻ धर्मेंद्र प्रधान उम्र 54 साल, पिछली सरकार में शिक्षा मंत्री रहे हैं। ओडिशा के संबलपुर से लोकसभा चुनाव जीते हैं। ✻ जीतनराम मांझी उम्र 78 साल, एनडीए गठबंधन के सहयोगी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता हैं। बिहार के पूर्व मुख्यंत्री रहे हैं, दलित समुदाय से आते हैं और पहली बार सांसद बने हैं।

✻ ललन सिंह उम्र 69 साल, एनडीए के सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड के नेता हैं। जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और भुमिहार समाज से आते हैं, मुंगेर से सांसद चुने गए हैं। ✻ सर्बानंद सोनोवाल उम्र 62 साल, असम के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और आदिवासी समुदाय से आते हैं। पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं, असम के डिब्रूगढ से लोकसभा चुनाव जीते हैं। ✻ वीरेंद्र खटीक। उम्र 70 साल, पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं। आठवीं बार सांसद चुने गए हैं, मध्य प्रदेश के टीकमगढ सीट से चुनकर इसबार संसद पहुंचे हैं, मध्य प्रदेश में बडे दलित नेता माने जाते हैं। ✻ के राममोहन नायडू उम्र 36 साल, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम से सांसद हैं। पूर्व मंत्री येरेन नायडू के बेटे हैं, इसबार सबसे युवा कैबिनेट मंत्री हैं। ✻ प्रहलाद जोशी। उम्र 61 साल, कर्नाटक के धारवाड़ से पांचवीं बार लोकसभा चुनाव जीते हैं। कर्नाटक भाजपा के पूर्व अध्यक्ष हैं, पिछली सरकार में मंत्री रहे। ✻ जुएल ओरामए उम्र 63 साल, ओडिशा के सुंदरगढ से सांसद चुने गए हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रह चुके हैं, 6वीं बार सांसद चुने गए हैं, बडे आदिवासी चेहरे के तौर पर पहचाने जाते हैं। ✻ गिरिराज सिंह उम्र 71 साल, पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। लगातार तीसरी बार बिहार के बेगूसराय से सांसद चुने गए हैं। बिहार सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। ✻ अश्विनी वैष्णव, उम्र 54 साल, पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। ओडिशा से राज्यसभा सांसद हैं। ✻ ज्योतिरादित्य सिंधिया, उम्र 53 साल, 2020 में कांग्रेस से भाजपा में आए और कैबिनेट मंत्री बनाए गए। 5वीं बार लोकसभा चुनाव जीते हैं, मध्य प्रदेश की गुना सीट से सांसद हैं। ✻ भूपेंद्र यादव उम्र 55 साल, राजस्थान के अलवर से पहली बार लोकसभा सांसद का चुनाव जीते हैं। पिछली सरकार में पर्यावरण मंत्री थे, भाजपा के रणनीतिकार के तौर पर पहचाने जाते हैं। ✻ गजेंद्र सिंह शेखावत उम्र 57 साल, दूसरी बार राजस्थान के जोधपुर से लोकसभा चुनाव जीते हैं, पिछली सरकार में जलशक्ति मंत्री रहे।

सीबीआई ने एनएचएआई अधिकारी के घर दी दबिश, पूछताछ जारी

छतरपुर, 9 जून। एमपी के छतरपुर के सिविल लाइन थाना अंतर्गत शनिवार 8 जून की देर शाम सीबीआई की पांच सदस्यों की टीम ने एनएचएआई के अधिकारी के घर दबिश दी। पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन थाना क्षेत्र के फोरलेन ब्रिज के पास एनएचएआई के ऑफिस में पदस्थ पीडी चौधरी के पन्ना रोड स्थित बजरंग नगर के सामने अंबेडकर नगर कॉलोनी में निवास पर शनिवार शाम 8 बजे पांच सदस्य सीबीआई की टीम पहुंची। उन्हें हिरासत में लेकर लगातार पूछताछ कर रही है। कार्रवाई रविवार की दोपहर तक जारी है। फिलहाल इस कार्रवाई से जुडे सभी अधिकारी-कर्मचारी मीडिया से बातचीत नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि कार्रवाई अभी जारी है जैसे ही खत्म होती है पूरी जानकारी दी जाएगी।

वर्तमान भाजपाई राजनीतिक स्थिति पर वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रकाश भटनागर भोपाल का आलेख पढ़े पेज 4 पर....

विचार-मंथन

सरकार चलाने के लिए यह होनी चाहिए शर्त...

गठबंधन सरकारों में सहयोगी दलों की मंत्री पद और विभागों की मांग को लेकर खींचतान नई बात नहीं है। हर दल का मुखिया अपने नेताओं की सामूहिक आकांक्षाओं को साथ लेकर चलता है। गठबंधन का पहला धर्म होता है, नीतियों और योजनाओं पर फैसले के समय निजी या दलगत स्वार्थों से ऊपर उठ कर सहमति बनाने का। गठबंधन का एक भी दल इस धर्म का निर्वाह नहीं कर पाता, तो वह सरकार चल नहीं पाती। देश में गठबंधन सरकारें बनी और चली हैं, पर वे तब-तब गिर गई हैं, जब गठबंधन धर्म के निर्वाह में दलगत स्वार्थ या वैचारिक मतभेद आड़े आए हैं। इस बार फिर गठबंधन सरकार बनने जा रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने नरेंद्र मोदी की अगुआई में सरकार बनाने पर सहमति जता दी है। मंत्रालयों के बंटवारे आदि को लेकर मंथन चल रहा है। हर बड़े दल से बड़प्पन की अपेक्षा रहती है और वह थोड़ा झुक कर अपने सहयोगियों का मान ऊपर रख भी लेता है। मगर सरकार गठन से पहले ही जिस तरह जद (यू) और तेलगु देशम की तरफ से नीतियों को लेकर शर्तें रखी जाने लगी हैं, उससे गठबंधन के भविष्य पर आशंका गहराने लगी है। जद (यू) ने कहा है कि अग्निवीर योजना पर सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए। यही मांग विपक्षी दल शुरू से उठाते आ रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान इंडिया गठबंधन ने तो सार्वजनिक रूप से एलान किया था कि अगर उसकी सरकार बनी तो अग्निवीर योजना को खत्म कर देंगे। वही बात अगर सहयोगी करने लगेंगे, तो सरकार के लिए मुश्किल होगी। भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करना चाहती है। इस दिशा में वह आगे भी बढ़ चुकी है। मगर उसके दोनों प्रमुख सहयोगी दलों ने इस पर भी पुनर्विचार की बात कही है। सभी राज्य सरकारों से सहमति की मांग कर रहे हैं। हालांकि ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर सरकार अगर लचीला रुख अपनाए, तो सहमति बन सकती है। राजनीति में हर कदम के दूरगामी परिणाम होते हैं। कौन-सा दल किस मुद्दे पर अपनी बात मनवा लेता है, उससे उसके राजनीतिक भविष्य पर असर पड़ता है। भाजपा को इस वक्त सहयोगी दलों के साथ मिल कर सरकार चलाने की मजबूरी है, पर वह अपने सिद्धांतों और नीतियों से डिगेगी, तो नुकसान का खतरा बना रहेगा। ऐसी स्थितियों में सरकार की अगुआई कर रहे दल के सामने चुनौती होती है कि वह कैसे अपने सहयोगियों को नीतियों पर एकमत करे और किस हद तक उनकी शर्तों को माने। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक छवि टिकाऊ और भरोसेमंद सहयोगी की नहीं रही है। इससे पहले भी वे कई बार राजग के साथ रहे, बीच में छोड़ कर चले गए, फिर आ गए हैं। बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने जैसी उनकी कुछ पुरानी मांगें हैं। इसके अलावा अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर भी उनके विचार अलग हैं। अब जब वे मोलभाव करने की स्थिति में हैं, ये मुद्दे उठा सकते हैं। मगर इससे सरकार की मुश्किलें बढ़ेंगी ही। गठबंधन की सरकारें शर्तों की रस्साकशी से नहीं, सहयोग और सहमति के संकल्प से चलती हैं। अगर इसकी कमी इस गठबंधन में रहेगी, तो अनिश्चितताओं के बादल शायद ही कभी छंटेंगे।

इस चुनाव परिणाम के बाद क्या क्या बदलने वाला है?

विक्रम उपाध्याय

किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलने के बाद यह कयास लगाया जा रहा है कि अब देश में बहुत कुछ बदल जाना है। 10 साल के बाद फिर से गठबंधन की सरकार जब चलेगी, तो फैसले उस तरह से नहीं हो पाएंगे, जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी लिया करते थे। त्वरित फैसलों से होने वाले बदलाव को लेकर अलग अलग राय हो सकती है, लेकिन कोई यह नहीं कह रहा था कि भारत में कोई पॉलिसी पैरालिसिस था। उन्हीं फैसलों की बदौलत एनडीए 10 साल लगातार यह दावा करता रहा कि उसने देश का कायापलट कर दिया है। जैसे भारत की अर्थव्यवस्था अब तीसरे पायदान पर पहुँचने वाली है। जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत अब केवल केवल चीन व अमेरिका से ही कुछ दूरी पर रहेगा। कहा यह भी जाने लगा था कि जिस तरह से चीन की हालिया आर्थिक परेशानियां बढ़ी हैं और उसका पतन जिस तेजी से हो रहा है, उसमें भारत का ऊपर की ओर बढ़ना और निश्चित हो गया है और वह 2030 तक चीन के काफी करीब भी पहुँच सकता है। यह सच है कि भारत की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत और संरचनात्मक रूप से ठोस नजर आ रही है। पिछले कुछ सालों में कानून प्रणाली को भी मजबूत किया गया है। कोई बड़ा भ्रष्टाचार सतह पर नहीं आया और इतनी बड़ी आबादी को राशन, पानी, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संघर्ष करते नहीं देखा गया। हालांकि चुनाव परिणाम यह नहीं बताते कि जनता

पूरी तरह से सरकार से संतुष्ट थी। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र में मिले अवसर का लोगों ने देश की परंपरा के अनुसार अहिंसक बदलावों के लिए इस्तेमाल किया और अब एक अंकुश के साथ सरकार बनाने या चलाने का जनादेश दिया। स्पष्ट है कि इस चुनाव के बाद सरकार के काम काज के तरीके में बदलाव दिखेगा ही। हालांकि चुनावी विफलताओं के लिए केवल नेतृत्व को दोषी नहीं ठहरा सकते। वर्तमान वैश्विक परिस्थियों में किसी कमजोर सरकार का होना आंतरिक और बाहरी दुनिया में भारत की संभावनाओं को सीमित ही करेगा। आर्थिक नीतियों में कोई भी विचलन आशाजनक परिस्थितियों को निराशा में बदल सकता है, खास कर इस नजरिए से कि कई देश गहरी मंदी में हैं। आज भारत को विश्व अर्थव्यवस्था के तेज विकास के जरिए विकासशील देशों में अपने नंबर ऊपर कर के विकसित देश होने की ओर अपनी बढ़त बनाए रखने की जरूरत है। यह तभी संभव है कि भारत के निजी क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाए। पर पहले से ही कुछ घरानों के लिए काम करने के विपक्ष के आरोप के बाद सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा या फिर उसमें बदलाव होगा। चुनाव में राहुल गांधी द्वारा अदानी-अंबानी के मुद्दे उठाए गए और इन मुद्दों पर तालियाँ मिलीं भी। क्या सरकार फिर से उन्हीं मुद्दों के आगे निर्भीक रह सकेगी? भारत की सेना दुनिया में इस समय चौथी सबसे मजबूत सेना है। इसको और आगे ले जाने के लिए वित्तीय संसाधन के साथ सेना के प्रति लोगों में विश्वास और युवाओं में इससे जुड़ने की ललक भी जरूरी है, क्योंकि सेना भी जनसांख्यिकी प्रभावों से अछूती नहीं रह सकती। 2025 तक भारत अपनी सैन्य शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि करने का ब्लू प्रिन्ट तैयार कर चुका है। लेकिन सेना में नियुक्ति को लेकर एक अनिश्चितता का माहौल इन दिनों तैयार करने की कोशिश की गई। अग्निवीरों के बारे में जिस तरह के दावे किये गए और इंडिया गठबंधन के नेता जिस तरह से खुलेआम कहते रहे कि सत्ता में आएंगे तो अग्निवीर की योजना निरस्त कर देंगे, उससे युवाओं में असमंजस का भाव घर कर गया है। चूंकि मोदी की निवर्तमान सरकार ने अग्निवीरों में से ही नियमित सेना के जवानों की नियुक्ति का प्रावधान किया है, तो बहुत हद तक संभव है कि सैन्य नियुक्ति नियमों में भी कुछ बदलाव हो। अग्निवीरों की अभी यह शुरुआती खेप है। भारत को अपने सैन्य आधार को मजबूत करने के लिए इस योजना के प्रति युवाओं में विश्वास बहाल करना ही होगा। किसी भी संदेह की गुंजाइश भारत के लिए कुशल सैन्य शक्ति बनाने में देरी या कमजोरी का कारण बन सकती है। केवल विशिष्ट प्रौद्योगिकी विकास से ही सेना मजबूत नहीं हो सकती। किसी भी देश को एक ऐसे नेता की जरूरत होती है, जो समय और ऊर्जा देश के सभी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास में लगा सके। उस पर कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं होना चाहिए और वह अपने परिवार के लिए धन संचय करता हुआ भी नहीं दिखाई देना चाहिए। इस लिहाज से नरेंद्र मोदी लगभग खरे उतरते हैं। लेकिन उन्हीं पर विपक्ष ने यह तोहमत लगाया है कि उन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए कोई काम नहीं किया और अपनी छवि को ज्यादा महत्व दिया। कहा गया कि मोदी ने खुद को ऐसा प्रोजेक्ट किया कि उनके जैसे एक मजबूत नेतृत्व के रूप में खड़े होने के बाद देश को अब और मजबूत नेताओं की जरूरत ही नहीं है। उनका आत्म केंद्रित अवतार ही उनकी कमजोरी का कारण बन गया। हालांकि उन पर निहित स्वार्थों के लिए काम करने का कोई आरोप नहीं लगा। पर समूहों के बीच नफरत और आंतरिक संघर्षों को कम करने के प्रति उनकी भूमिका पर लोगों ने सवाल जरूर उठाया। मशहूर मैनेजमेंट गुरु पीटर ड्रकर की यह उक्ति है कि- प्रभावी नेतृत्व का मतलब भाषण देना या पसंद किया जाना नहीं है; बल्कि परिणामों से होता है। चुनाव में कॉंग्रेस को जो भी सफलता मिली, उसे उस पार्टी के नेता जनता से मिली सहानुभूति और करुणा का प्रतिफल बता रहे हैं। अलग-अलग संस्कृति, धर्म और भाषाओं के बीच सेतु बनने के प्रयास को इसका श्रेय देते हैं। वे देश को एक सूत्र में पिरोकर सबको आगे बढ़ाने की भी बात करते हैं। कॉंग्रेस के नेता राहुल गांधी देश के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने की पहल का दावा करते हैं। क्या इससे भारत की राजनीति में कुछ बदलाव होगा। ये सारी बातें बनावटी भी हो सकती हैं, लेकिन इस बार इसके साथ सफलता, चुंबक में लोहे जैसी चिपक गई है, तो संभावना है कि कुछ दिन के लिए पोलिटिकल नैरेटिव भी बदल जाए। सबका साथ, सबका विकास का कोई नया शोधन शब्द सामने आ जाए और अब लोगों में दोष खोजने के बजाय, व्यवस्था में सुधार परिलक्षित हो।

आत्मीय होना नहीं है आसान काम...

नरेंद्र सिंह नीहार

आत्मीय होना किसी का गौरव की बात है। आत्मीय होने का संबंध आत्मा से जोड़ा जाता है, जो मन और बुद्धि से आगे है। आत्मीयता शब्द का अर्थ अपनेपन, अपनत्व या अपने करीबी के रूप में लिया जाता है। इसे बहुत ही कोमल और पवित्र भाव माना जाता है। हम जिसको आत्मीय बना लेते हैं, उसको दिल की गहराई तक प्रेम करते हैं। उसकी हर पल चिंता करते और ध्यान रखते हैं। अपने ईष्ट से उसके कल्याण की कामना करते हैं। उसके बिना कहे या बिना मांगे ही अभीष्ट को प्रस्तुत कर देते हैं। यही आत्मीयता है और आत्म-तत्त्व का विस्तार भी। आत्मीयता प्रदर्शन या किसी के सामने इसे जताने का विषय ही नहीं है। चुपचाप मुदित या कातर होना ही सच्ची आत्मीयता कही जाती है। हमारी वाणी की मृदुता और कंपन, ललाट की रेखाएं और नयनों के कोर आत्मीयता को दर्शाने वाले स्रोत हैं। उदाहरण के लिए, जब हम कभी अपने स्वजन या स्नेहीजन की उन्नति या प्रगति को देखते हैं तो मन थोड़ा भावुक हो जाता है। उनसे मिलने पर कुछ कहते हुए गला रुंधने लगता है और आंखें खुशी से नम हो जाती हैं। हम उन्हें अंक में भर लेते हैं। अपनी झोली फैलाकर उनकी बेहतरी के लिए दुआएं मांगते हैं। यही आत्मीयता का प्रत्यक्ष दर्शन है। दूसरी ओर आत्मीय जन के दुखी या निराश होने पर हम भी अपने मन के किसी कोने में दुख की आंच को महसूस करते हैं। स्वयं भी उदास और अन्यमनस्क हो जाते हैं। दिनचर्या में हमारा मन नहीं लगता और अपने आत्मीय जन को उस निराशाजनक परिस्थिति से निकालने में भरपूर कोशिश भी करते हैं। यही आत्मीयता की सच्ची कसौटी भी है। इस लगाव की पृष्ठभूमि भी होती है, जब किसी दौर में आपसी सद्भाव या लगाव की वजह से ऐसी संवेदनाओं का विकास होता है, जब कोई व्यक्ति आत्मीय हो जाता है। आत्मीय होना भी कोई आसान काम नहीं है। केवल रक्त संबंध आत्मीयता के आधार होंगे, ऐसा भी नहीं है। बल्कि इतिहास साक्षी है कि रक्त के संबंधी ही एक-दूसरे के रक्त के प्यासे भी रहे हैं। सारे षड्यंत्र, कुचक्र और लाक्षागृह रक्त संबंध वालों ने ही बुने हैं। वहीं आत्मीय होने के लिए किसी का संस्कारी, श्रद्धामय और सद्भावी होना बहुत जरूरी है। तभी हम किसी की आत्मा तक पहुंच बना सकते हैं। यह परकाया प्रवेश करने के समान है। इसलिए सद्गुणी और आज्ञाकारी होकर हम भी किसी के आत्मीय बन सकते हैं। यहां रक्तसंबंधी होने की बाध्यता नहीं है। रिश्ते-नाते से बाहर ऐसे तमाम लोग मिल जाएंगे, जिनके लिए हमारे मन में ज्यादा मजबूत जगह बन जाती है। यों भी, सुख में साथ होने के मुकाबले दुख में साथ खड़े होने वाले लोग अपने आप हमारे दिल में उतरते चले जाते हैं और आत्मीय हो जाते हैं। आज के दौर की आत्मीयता और उसके उद्घाटन पर गौर किया जा सकता है। आत्मीयता के आवरण प्याज की बारीक परतों के समान झीने से नजर आते हैं। मसलन, आत्मीयता का ढोंग, आत्मीयता का प्रपंच और आत्मीयता का राग आदि। आजकल पैमाने बदल रहे हैं। आत्मीयता का खेल बड़े नाप-तोल के साथ खेला जाता है। मानवीय स्वभाव कभी भी एक सरल और सीधी रेखा के समान नहीं होता है। वह कब वक्राकार या सर्पिलाकार हो जाए, कोई गारंटी नहीं है। किसी लचीली वस्तु की तरह आत्मीयता भी घटती-बढ़ती रहती है। यह बाजार की मांग और पूर्ति के संतुलन से प्रभावित होने लगी है। दूसरे, किसी भी व्यक्ति के प्रति हमारी आत्मीयता हमेशा एक जैसी नहीं रहेगी। घर-परिवार के बच्चों के लिए भी अलग-अलग हो सकती है। जो बालक आज्ञाकारी, वफादार और प्रगतिशील होता है, उसके प्रति हमारी आत्मीयता हद से ज्यादा होती है। उसका एक बड़ा-सा नुकसान अन्य संतानों में विद्रोह और ईर्ष्या के रूप में देखा जा सकता है। इसके अलावा, सामाजिक आत्मीयता के भी कई सोपान होते हैं। हमारे सगे-संबंधी, रिश्तेदार, पड़ोसी-पहचान वाले और दोस्त। इनमें क्या हमारी आत्मीयता सबके साथ एकरस होती है? शायद नहीं। आत्मीयता का सहज बीजारोपण सामने वाले के हमारे प्रति व्यवहार से होता है। हमारी स्वीकृति, सम्मान और विश्वास। हमारी चिंता, ध्यान और अपेक्षाओं की पूर्ति आत्मीयता का खाद-पानी होती है। हम उस पर अलग से ध्यान देते हैं और उस पर सोचते हैं। चिंतन करते है और वक्त जरूरत पर छाता बनकर तन भी जाते हैं। इसके विपरीत, अगर हम घर-परिवार और समाज में निरंतर उपेक्षित और अपमान को सहन कर रहे हैं।

यह कहावत नीतिश मामले सही बैठती है 'भाग्य वाले का हल भूत जोतता है'

बिहार में लोकसभा चुनाव रिजल्ट के बाद सियासी समीकरण बदल गए हैं। नीतीश कुमार अब किंग मेकर की भूमिका में हैं। नीतीश कुमार को लेकर इधर-उधर का बयान देने वाले सावधान हैं, नीतीश कुमार अब बिहार और केंद्र दोनों को सही तरीके से कंट्रोल करेंगे। नीतीश कुमार की पार्टी के हिस्से में मंत्रिमंडल भी आएगा। कहावत है- भाग्य वाले हल भूत जोतता है। नीतीश कुमार पर यह बात बिल्कुल फिट बैठती है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को कम सीटें मिलने पर गठबंधन के सहयोगी दलों से तालमेल बिठा कर सरकार बनाने-चलाने की मजबूरी पर विरोधी खिल्ली उड़ा रहे हैं। पर, वे भूल जाते हैं कि नीतीश कुमार तो गठबंधन की सरकार में ही बतौर मुख्यमंत्री अपने 19 साल पूरे करने वाले हैं। इससे पहले वामपंथी दलों का गठबंधन पश्चिम बंगाल में तकरीबन साढ़े तीन दशक तक राज कर चुका है। दूर की छोड़ें, बिहार का ही कभी हिस्सा रहे झारखंड में निर्दलीय विधायक मधु कोड़ा तक सीएम बन गए थे। देश में गठबंधन सरकार कोई नई बात नहीं है। भाजपा भी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार चला चुकी है। नीतीश कुमार पहली बार 2005 में बिहार में भाजपा के सहयोग से सीएम बने थे। तब से लेकर 2020 तक उनकी पार्टी जेडीयू को कभी सरकार बनाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं मिला। भाग्य ने हमेशा उनका साथ दिया और वे दूसरों के सहारे हर बार सीएम बनते रहे। 2005 से 2013 तक उन्होंने भाजपा के सहयोग से बिहार के सीएम की कुर्सी संभाली तो 2015 में आरजेडी के सहयोग से सीएम बने। उसके बाद कभी भाजपा तो कभी आरजेडी के बूते उन्होंने अपनी कुर्सी बरकरार रखी। इतना ही नहीं, उन्होंने किसी को दया भाव का एहसास तक नहीं होने दिया। पूरी दबंगता के साथ हर बार सरकार बनाई और चलाई। आमतौर पर दंगता तब आती है, जब कोई पार्टी अकेले बहुमत हासिल कर सरकार बनाती है। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को पहली बार अक्टूबर 2005 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में 88 सीटें मिली थीं। भाजपा के सहयोग से उन्हें सरकार बनाने में सफलता मिल गई। पहली बार वे सीएम बने। 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू 141 सीटों पर लड़ कर 115 सीटें जीती थीं। यह बिहार विधानसभा के अब तक के चुनाव में जेडीयू को मिली सर्वाधिक सीटें थीं, लेकिन बहुमत के 122 के आंकड़े से सात कम थीं। इस बार भी भाजपा ने उनका साथ दिया और नीतीश सीएम बन गए। 2015 का चुनाव जेडीयू ने आरजेडी के साथ लड़ा। आरजेडी को 80 सीटें मिलीं और जेडीयू को 71, लेकिन सीएम बने नीतीश कुमार। बिहार विधानसभा के 2020 में हुए चुनाव में जेडीयू 43 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर चला गया। जेडीयू से अधिक सीटें पाकर भी भाजपा ने गठबंधन धर्म का पालन करते हुए नीतीश कुमार को ही सीएम बनाया। लगातार 15 साल तक सीएम रहने के कारण नीतीश के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी स्वाभाविक थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में नीतीश की कई सभाओं में हंगामा हुआ। उनका गुस्सा भी फूटता रहा। एक सभा में तो उन्होंने यह भी कह दिया कि इस बार का चुनाव उनका आखिरी है। यानी उनके हिसाब से उन्हें सीएम पद की यह आखिरी लालसा थी। उनकी इस मार्मिक अपील का भी असर नहीं हुआ और जेडीयू 43 सीटों पर खिसक गई थी। विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी बन गई थी जेडीयू। इतना ही नहीं, 2022 में जब वे महागठबंधन के साथ सरकार चला रहे थे तो नालंदा की सभा में खुद यह ऐलान कर दिया कि 2025 का चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2-5-6

वृषभ : [illegible] शुभांक-3-4-7

मिथुन : [illegible] शुभांक-4-5-6

कर्क : [illegible] शुभांक-4-6-8

सिंह : [illegible] शुभांक-3-5-6

कन्या : [illegible] शुभांक-5-7-8

तुला : [illegible] शुभांक-1-3-8

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-5-7-9

धनु : [illegible] शुभांक-3-5-7

मकर : [illegible] शुभांक-3-5-8

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-4-6

मीन : [illegible] शुभांक-2-4-7

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5261

		9	4	7			3	6
				8			2	9
	1		2				5	7
7	6							
		1				6		
							1	5
6	9				1		4	
8	2			5				
1	4			6	9	7		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5260

6	5	7	4	2	3	1	8	9
8	1	4	9	5	6	2	7	3
3	9	2	1	8	7	4	5	6
5	4	6	8	7	2	3	9	1
7	8	1	3	9	4	6	2	5
2	3	9	5	6	1	7	4	8
4	2	5	6	1	8	9	3	7
9	6	3	7	4	5	8	1	2
1	7	8	2	3	9	5	6	4

वर्ग पहेली 5261

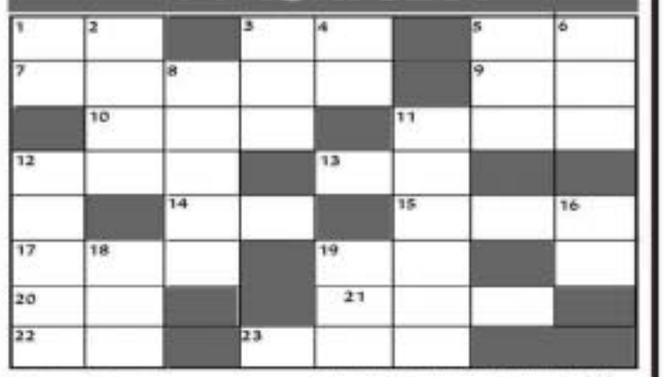

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा कोष इस देश में है (2)
3. फिजी देश में 332 द्वीप है इन द्वीपों में सबसे बड़ा द्वीप वितिलेवु है इसी द्वीप पर इस देश की राजधानी है (2)
5. पुराणानुसार ययाति के पुत्र जिन्होंने अपना यौवन अपने पिता को दे दिया (2)
7. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के शुभअवसर पर लिखा जाए (5)
9. अमर, अति, हीरा (2)
10. परावर्तित करना (3)
11. एडवोकेट, प्रतिपादक, बैरिस्टर (3)
12. मांझी, [illegible] (3)
13. हकीकत, यथार्थ, सत्य (2)
14. ठिगना, छोटे कद का (2)
15. [illegible], नदी (3)
17. लोगों का जमावड़ा, जमघट (3)
19. द्वीप, जमीन का वह भाग जो चारों ओर जल से घिरा हो (2)
20. घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी, काठी (2)
21. पहाड़, गिरि, ऊंचा ढेर (3)
22. कमजोर, [illegible] (2)
23. भगवान शिव का धनुष (3)

ऊपर से नीचे
1. महाप्रबंधक, मुख्य, प्रधान (2)
2. शरणदाता, आश्रयदाता, प्रणतपाल (4)
3. अपमान करना, बुरा-भला कहना (3)
4. पक्षी, लक्ष्मी, मनोहारिणी स्त्री (2)
5. जिसे रोमांच हुआ हो (3)
6. यह मुद्रा [illegible] देश में प्रचलित है (3)
8. ऐसा कागज जिस पर कोई बात शपथपूर्वक लिखी जाए, शपथपत्र (5)
11. वचनबद्धता, वचन से, वादा (6)
12. कलम चलाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (5)
16. मुलाकात, प्राप्ति, मिलना (2)
18. जन्म देने वाला, पिता (3)
19. टाप मारना, जिसमें टप-टप शब्द हो (2)

वर्ग पहेली 5260 का हल

सा	न्या		ख	मा	य	नी	
य	रा	मी	ध		म	म	ता
र		र	म	णी	क		ना
	रा	ज				मा	शा
रा	ब		सु		हि	र	ह
स	र	प	र	स्त		की	
क	म	ल		र	ज	नी	श
	ती		जी		ल		शि

विद्या भारती इस देश की अगली पीढ़ी को जीवन मूल्यों से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए विगत 72 वर्षों से कार्यरत

विद्या भारती मालवा की अभा साधारण सभा बैठक के द्वितीय दिवस अन्य विषयों पर हुई चर्चा

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की साधारण सभा बैठक के द्वितीय दिवस सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान, सैनिक विद्यालय, मंदसौर परिसर में जारी रही।

विद्या भारती इस देश की अगली पीढी को जीवन मूल्यों से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए विगत 72 वर्षों से कार्यरत है। शिक्षा में जीवन मूल्यों का समावेश हो ऐसा प्रयास विद्या भारती के अतिरिक्त देश में अनेक शैक्षिक, आध्यात्मिक संस्थाएं कार्य कर रही है।

ऐसे 29 शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ विगत 29 मार्च को दिल्ली में संपन्न बैठक की जानकारी विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामकृष्ण राव ने देते हुए बताया कि चिन्मय मिशन, रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद केंद्र, माता अमृतानंदमयी आश्रम, महर्षि महेश योगी संस्थान, डीएवी सोसायटी आदि संस्थाओं के पदाधिकारियों ने यह मानते हुए कि संगठन अलग- अलग होने पर भी हमारे लक्ष्य और कार्य की दिशा समान है। साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण प्रशासन साहित्य का आदान-प्रदान सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आधारित सामूहिक कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करने का निर्णय लिया। श्री रामकृष्ण राव ने शिक्षक प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रांतों में डिजिटल प्रशिक्षण केंद्रों की सक्रियता की स्थिति, स्पोकन इंग्लिश, प्रशिक्षण केंद्र आदि पर भी सभी प्रांतों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के अधीन भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष पद्मश्री चमू कृष्ण शास्त्री भी आज इस बैठक में उपस्थित रहे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा उसके अनुरूप तैयार पाठ्यचर्चा में भाषा नीति के संबंध में सरकार के विभिन्न संस्थानों की पहल और भूमिका की विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर भारतीय शिक्षा में पंच कोषात्मक एवं समग्र विकास की संकल्पना, . ज्ञान की बात अंग्रेजी शिक्षा के दुष्परिणाम, प्रात: वंदे, महानायक लांचित बरफूकन, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान, संगठन की महिला वैज्ञानिक, संस्कृति के रंग कहानियों के संग, बच्चों के राम, माता की पाठशाला, स्वाधीनता संग्राम में महिलाएं, कालजयी भारतीय ज्ञान, पर चर्चा की गई। इस दौरान पुस्तक एवं पत्रिकाओं का अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार मातृभाषा के अतिरिक्त हाईस्कूल तथा दो अन्य भारतीय भाषाओं तथा हायर सेकेंडरी में किन्हीं भी दो भारतीय भाषाओं के अध्यापन की नीति पर श्री शास्त्री ने प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह श्री कृष्ण गोपाल ने सामाजिकसमरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक के रूप में कर्तव्य बोध तथा विद्यालयों की गुणवत्ता विकास और पूर्व छात्रों की सक्रियता के विषय पर उपस्थित प्रतिनिधियों से चर्चा की। आज के दिन की पूर्णता सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान, सैनिक विद्यालय, मंदसौर के पूर्व छात्रों से परिचय तथा विद्यालय के आचार्य द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगमंचीय कार्यक्रम के साथ पूर्ण हुई। तीन दिन चलने वाली इस बैठक का कल सोमवार 10 जून को समापन होगा।

साहित्य से ही पत्रकारिता का प्रादुर्भाव हुआ है-जोशी

मालवा की पत्रकारिता के इतिहास विषय पर दिया व्याख्यान

मंदसौर/जावरा, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मालवा विचार मंथन कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर मालवा की पत्रकारिता का इतिहास विषय पर व्याख्यान देते हुए मंदसौर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी ने कहा कि पत्रकारिता साहित्य की ही विधा है तत्काल लिखा जाने वाला साहित्य ही पत्रकारिता है।साहित्य से ही पत्रकारिता का प्रादुर्भाव हुआ है । लोकतंत्र में पत्रकारिता का महत्व सर्वविदित है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर वर्तमान भारत तक पत्रकारिता का जो सफल रहा है उसमें मालवा की पत्रकारिता का निर्णायक योगदान रहा है। नई पीढी को पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे आना चाहिए विडंबना की बात यह है कि आमतौर पर अधिकांश परिवारों में अपने बच्चों के फ्यूचर प्लान बनाए जाते हैं जिसमें उन्हें डॉक्टर,इंजीनियर आईएएस आईपीएस बनाने की प्रेरणा दी जाती है लेकिन बच्चों को पत्रकार बनने को प्रोत्साहित नहीं किया जाता। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नई पीढी को पत्रकारिता के क्षेत्र में आना चाहिये।।कार्यक्रम की अध्यक्षता समग्र मालवा मंदसौर के सचिव श्री विजय अग्निहोत्री ने की।

श्री जोशी ने कहा कि पत्रकारिता के चार रूप हैं जिनमें प्रथम देव ऋषि नारद की पत्रकारिता है जो लोक कल्याण एवं सृष्टि से धर्म का पालन करवाना एवं जनहित एवं राष्ट्र का कल्याण करना ।दूसरी पत्रकारिता महाभारत के संजय की है जो जैसा दिखता है वैसा बताना। तीसरी पत्रकारिता शूर्पण खा वाली पत्रकारिता है जिसमें समाचारों एवं घटनाओं को तोड मरोड कर प्रस्तुत करने वाली होती है और चोथी पत्रकारिता मंथरा वाली है जिसमें भड़काने वाली बात होती है। श्री जोशी ने लगातार 60 मिनट के धारा प्रवाह व्याख्यान में कहा कि पत्रकारिता के वर्तमान में दो स्वरूप है एक आजादी के पहले की पत्रकारिता और दूसरी आजादी के बाद की पत्रकारिता ने आजादी के आंदोलन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिसके सशक्त हस्ताक्षर पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी रहे हैं। मालवा के पत्रकारिता की इतिहास की चर्चा करते हुए आपने कई पत्रकारों राहुल बारपुते , मायाराम सुरजन, लाभचंद छजलानी, राजेंद्र माथुर, दिनेश अवस्थी, कमल दीक्षित, रमेश अग्रवाल, रामगोपाल माहेश्वरी, प्रभाष जोशी, व प्रकाश उपाध्याय रतलाम के नाम का उल्लेख किया। हिंदी पत्रकारिता को भी मालवा ने विशेष बल दिया है। मंदसौर की चर्चा करते हुए आपने कहा कि 1936 में ही स्व. राजमल लोढा ने दैनिक ध्वज का प्रकाशन प्रारंभ किया। इसी प्रकार नीमच में भी अनेक समाचार पत्रों का प्रकाशन हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । संस्था प्रमुख अभय कोठारी, कार्यक्रम संयोजक जगदीश उपमन्यु, कार्यक्रम समन्वयक रमेश मनोहरा, महामंत्री महेश शर्मा, जगदीश धनोतिया, मोहम्मद रफीक (मुन्नाभाई) सचिन पारिख ने श्री जोशी का पुष्प माला से स्वागत किया। स्वागत भाषण संस्था प्रमुख काव्य अभय कोठारी ने देते हुए कहा कि पत्रकारों को समाज में उचित सम्मान का अभाव रहता है आपने कहा कि समग्र मालवा मालवा के पत्रकारों का एक इस स्मारिका का प्रकाशन करने की योजना बना रहा है जिसमें नए और पुराने सभी पत्रकारों का उल्लेख हो। अतिथि परिचय वरिष्ठपत्रकार व जिला प्रेस क्लब जावरा अध्यक्ष जगदीश राठौर ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत शिक्षक विजय अग्निहोत्री मंदसौर ने मालवा विचार मंथन कार्यक्रम की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में जिला प्रेस क्लब जावरा की ओर से बृजेश जोशी का स्वागत शाल, श्रीफल, एवं पुष्प माला पहनाकर अध्यक्ष जगदीश राठौर , उपाध्यक्ष डॉ जाकिर कुरैशी व एजाज शेख, संगठन सचिव वाजिद पठान, कोषाध्यक्ष विजय राठौर, रमेश धाकड,मोहम्मद शरीफ कुरैशी व वरिष्ठपत्रकार अशोक सेठिया व उमेश शर्मा ने किया। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संस्थापक अध्यक्ष बाबूलाल नाहर व अभय श्रीवास्तव आदि ने भी शाल श्रीफल से श्री जोशी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन समग्र मालवा के संयोजक मनोहर सिंह चौहान मधुकर ने किया। आभार प्रदर्शन समिति संयोजक जगदीश उपमन्यु ने माना। इस अवसर पर बडी संख्या में गणमान्य नागरिक, पत्रकार उपस्थित थे। आगामी 10 जून को पर्यावरणविद् श्री कुशाल सिंह पुरोहित का व्याख्यान होगा।

कैपेसिटी बिल्डिंग एवम ग्रोथ माइंडसेट विषय पर दिया प्रशिक्षण

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। सी एम राइस विद्यालय साबाखेडा में वर्तमान शिक्षा सत्र के प्रारंभ में एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग एवं ग्रोथ माइंडसेट विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण सी एम राइस स्कूल शिक्षक हैंडबुक के संयोजक एवं ई एफ ए कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालागंज के प्राचार्य सुदीप दास ने दिया। सुदीप दास ने कहा कि ग्रोथ माइंडसेट यह विश्वास है कि किसी भी व्यक्ति ,किसी भी विद्यार्थी में बुद्धि एवं क्षमताओं का अभ्यास के साथ गुणात्मक विकास और सुधार हो सकता है। नवीन शिक्षा नीति के चुनौती पूर्ण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए शिक्षकों को स्वयं अपना कौशल उन्नयन करना

होगा, बदलते वक्त की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए अप स्किल और अपग्रेड भी होना होगा। सुदीप दास ने सिस्टमैटिक अप्रोच ऑफ़ टीचिंग के सिद्धांतों पर भी अपने विचार रखें। सुदीप दास ने समस्त शिक्षकों को कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में सरल प्रश्न पत्रों की अपेक्षा बिलकुल छोड दें, आने वाला समय कांसेप्चुअल बेस्ड अंडरस्टैंडिंग का है जिसमें प्रत्येक विषय में हायर ऑर्डर थिंकिंग स्किल्स से संबंधित प्रश्नों का समावेश होगा, विद्यार्थियों में कांसेप्चुअल अंडरस्टैंडिंग का विकास करना पडेगा तभी जाकर वे आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा के लायक बनेंगे।

संस्था के प्राचार्य श्री दिलीप सिंह डाबी ने सी एम राइस विद्यालयों के विजन एवं मिशन विषय पर प्रकाश डाला। गत सत्र के परीक्षा परिणाम एवं पाठ्य सहगामी गतिविधियों की समीक्षा की एवं वर्तमान सत्र के कार्य योजना प्रस्तुत की। प्राचार्य दिलीप सिंह डाबी ने राज्य एवं राज्य के बाहर प्राप्त किए गए प्रशिक्षण की मुख्य बिंदुओं को उपस्थित शिक्षकों से साझा किया।प्रशिक्षण सत्र में प्रधान अध्यापक रतनलाल चौहान ने प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में की जाने वाली गतिविधियों की कार्य योजना प्रस्तुत की।

पत्रकार फांफरिया ने नई आबादी थाने का नाम भगवान पशुपतिनाथ के नाम पर किये जाने की मांग की

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगर की सीमा में पुलिस के तीन थाने संचालित होते है। जिसमे शहर कोतवाली, वायडीनगर और नई आबादी थाना आता है। नई आबादी थाने का नाम नई आबादी होने से सामान्य जन को ऐसा प्रतित होता है मंदसौर की नई आबादी इस थाने मे आती होगी और विरोधाभास की स्थिति बनती है। लेकिन ऐसा नही है पूर्व मे यह थाना मंदसौर नगर के मध्य पुलिस कंट्रोल रूम में संचालित होता था तब इसका नाम नई आबादी थाना रखा गया था।

उक्त बात कहते हुए पत्रकार विजयेन्द्र फांफरिया ने बताया कि अब नई आबादी थाना चन्द्रपुरा के आगे संचालित होता है। इसलिए इस थाने का नाम अब भगवान पशुपतिनाथ थाना होना चाहिए। पशुपतिनाथ मंदिर परिसर भी नई आबादी थाना क्षेत्र में ही आता है। उज्जैन में महाकाल मंदिर के थाने को महाकाल थाने के नाम से जाना जाता है उसी तर्ज पर मंदसौर में भी पशुपतिनाथ मंदिर थाने को पशुपतिनाथ थाने के नाम से जाना पहचाना चाहिए ताकि थाने को भी एक अलग पहचान मिल सके ओर मंदसौर भी जो कि भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है ऐसे में एक थाने का नाम तो इस मंदिर के नाम पर होना ही चाहिए। इस बात की मांग फांफरिया ने डिप्टी सीएम जगदीश देवडा, लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, विधायक विपिन जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटौलिया, जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया को पत्र के माध्यम से की है। पत्र के जवाब में एसपी श्री सुजानिया ने बताया कि इस बात का प्रकरण बनाकर पुलिस विभाग, मंदसौर द्वारा पुलिस मुख्यालय प्रस्ताव भेजा जा चुका है वहां स्वीकृति आते ही नई आबादी थाने का नाम भगवान पशुपतिनाथ थाना हो जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत निकाली कलश यात्रा

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन एवं जल संरचनाओं के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेशभर में चल रहे इस अभियान को नगर परिषद मल्हारगढ द्वारा नगर में भी चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत लगातार तीसरे दिन भी व्यापक प्रचार हेतु नागरिकों को जागरूक करने हेतु निकाय में कलश यात्रा निकाली गयी। बढते जल संकट से बचने के लिए नागरिकों को पानी के सदुपयोग की जानकारी भी साथ में दी गई । पर्यावरण को बचाने हेतु वृक्षारोपण कार्य भी नगर परिषद द्वारा शहर के कचरा स्थल पर बने प्लांट पर किया जा रहा है । नगर परिषद एवं आंगनवाडी के संयुक्त सहयोग से नगर में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस कलश यात्रा में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति शर्मिला प्रकाश कछावा , उपाध्यक्ष श्री राधेश्याम प्रजापति, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री राजेश गुप्ता, अधिकारी कर्मचारी एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नमामि गंगे अभियान के तहत की सफाई

नगरी, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद द्वारा नमामि गंगे अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ ही साफ सफाई का कार्य किया जा रहा है। सीएमओ धर्म चंद जैन ने बताया कि अभियान अंतर्गत नगर में मौजूद जल स्त्रोतों का संरक्षण के तहत निकाय के कर्मचारीयों,जनप्रतिनिधियों एवं जनसहयोग से नगर के वार्ड क्रमांक 08 रामकुंड रोड, वार्ड क्रमांक 06 पिपलोदी रोड, वार्ड क्रमांक 13 पटलावद रोड तथा धार्मिक स्थानों पर श्रमदान करते हुए साफ सफाई की गई। इस दौरान उपस्थित सभी नागरिकों से नालियों, धार्मिक स्थानों तथा पेयजल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं उचित स्वच्छता बनाए रखने की अपील करते हुए नप को सहयोग देने की अपील भी की गई।

जिला प्रेस क्लब का मिलन समारोह संपन्न

रामपुरा, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रेस क्लब नीमच व रामपुरा प्रेस क्लब के द्वारा रविवार को रामपुरा मे विश्राम ग्रह पर मिलन समारोह का आयोजन रखा गया। जिसमें जिले भर के पत्रकारों ने बडी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सर्वप्रथम मां सरस्वती जी और श्री सांवरिया सेठ के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर आयोजन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रामपुरा नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र जागीरदार, नगर परिषद सीएमओ केएल सूर्यवंशी, थाना प्रभारी विकास पटेल, जिला पंचायत सदस्य आर सागर कच्छावा, मेडिकल ऑफिसर प्रमोद पाटीदार, मत्स्य अधिकारी हिमांशु दुबे, जिला प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राहुल जैन, अध्यक्ष विष्णु मीणा, उपाध्यक्ष राकेश मालवीय, सचिव राजेश लक्ष्यकार, कोषाध्यक्ष राजेश भंडारी, सहसचिव बी एल दमामी, वरिष्ठसदस्य गोपाल जोशी, हेमेन्द्र चिंटू शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य भानुप्रिया बैरागी, महावीर चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे श्री जागीरदार, सीएमओ श्री सूर्यवंशी, थाना प्रभारी पटेल आदि ने कहा कि रामपुरा नगर के पत्रकारों का हमें हमेशा सकारात्मक सहयोग मिलता रहा है और आगे भी हम अपेक्षा करते हैं की ऐसा ही सहयोग बना रहे। आज रामपुरा नगर में इतना अच्छा आयोजन हुआ है, हम इसका और पधारे सभी पत्रकारो का स्वागत करते हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठपत्रकार गोपाल जोशी, प्रहलाद भट्ट, दीनबंधु बैरागी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता बडा ही कठिन चुनौती पूर्ण कार्य है, लेकिन हमें अपने उद्देश्यों से नहीं भटकना है व निष्पक्षता के साथ पत्रकारिता करना चाहिए हमें सकारात्मक सोच रखना चाहिए और जनता की समस्या के निदान के लिए निश्चित प्रयास करना चाहिए। आपने जिला प्रेस क्लब द्वारा किए जा रहे हैं कार्यों की भी तारीफ की। कार्यक्रम को जिला प्रेस क्लब सचिव राजेश लक्ष्यकार, उपाध्यक्ष राकेश मालवीय, कोषाध्यक्ष राजेश भंडारी, सहसचिव बी एल दमामी, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष विष्णु मीणा और प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राहुल जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि जिला परिषद का गठन जिस उद्देश्य को लेकर किया गया था, हम सफल रहे हैं और हमारा संगठन एक मजबूत सशक्त संगठन बन चुका है। हम हमेशा पत्रकारों के मान- सम्मान को बनाने के लिए हर परिस्थिति में सहयोग के लिए भी हमेशा तैयार रहेंगे अपने जिले से आए सभी पत्रकारों का स्वागत करते हुए आयोजन के लिए रामपुरा इकाई को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारे जिला पंचायत सदस्य सागर कच्छावा की ओर से सभी सदस्यों का बीमा करवाने की घोषणा उनकी ओर से की जिसका सभी ने स्वागत किया। जिला सम्मेलन में भाग लेने आए सभी पत्रकारों का डायरी ,पेन व सांवरिया सेठ की तस्वीर भेटकर स्वागत किया गया।

लिया बोर्टिंग का आनंद –सम्मेलन में आए सभी पत्रकारों ने रामपुरा नगर रिंगवाल में बोटिंग का भी आनंद लिया जिसकी व्यवस्था मत्स्य अधिकारी द्वारा की गई थी।

नमामि गंगे अभियान के तहत कुओं व तलाई की सफाई जारी

पिपलियामंडी, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। नमामि गंगे व जल संरचनाओं के संरक्षण व पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्थानीय नगर परिषद् द्वारा नगर में कुए व तलाई की सफाई कराई जा रही है। 5 जून से शुरु हुआ यह अभियान 16 जून तक चलेगा। नगरीय क्षेत्र में भैंसाखेडा, श्मशान घाट, पिपलियापंथ पुलिया के यहां, अग्रवाल मोहल्ला, शिव मंदिर के यहां, खजूर वाला कुआ, अस्पताल मार्ग आदि जगह कुओं को सफाई करने के लिए चिन्हित किया है। इस के अलावा अयोध्या बस्ती में तलाई की सफाई भी की जा रही है। इस अभियान के तहत तलाई में लगे पौधों को हटाया, जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों ने श्रमदान भी किया। इस अवसर पर नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया, पार्षद संजय धनोतिया, अशोक कोहली, श्रवण चोहान, इन्द्रजीत भट्ट, मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रवीण सेन, चन्द्रप्रकाश अग्रवाल, महावीर जैन, सुनील साहू, दिनेश चोहान सहित निकाय कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुनील सिंघी का भानपुरा युवक संघ द्वारा सम्मान

भानपुरा, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जैन श्वेताम्बर मुर्ती पुजक युवक महासंघ के अंतराष्ट्रीय चेयरमेन व भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त सुनील सिघी का युवक महासंघ कि भानपुरा ईकाई द्वारा नागेश्वर तीर्थ पेढी पर स्वागत व सम्मान किया सिंघी अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने आए थे सिंघी का यहां कई ईकाइयों द्वारा सम्मान किया गया भानपुरा युवक महासंघ के अध्यक्ष अंतिम चोरडिया, वरिष्ठसदस्य पत्रकार अनिल नाहर, विशाल चोरडिया, अजय चोरडिया, सुमेर नाहर , अरविंद कोठारी, नितीन नाहर मनीष कोचर उपस्थित थे सभी ने सिंघी को भानपुरा क्षेत्र में पधारने का निमंत्रण दिया, सुनील सिंघी भारत सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के भी सदस्य है।

नमामि गंगे अभियान के तहत बालाजी वाली बावड़ी में पांचवे दिन भी की सफाई

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन व जनअभियान परिषद के तत्वावधान में नयापुरा रोड बावडी वाले बालाजी की सफाई के लिए संस्थाओं ने किया श्रमदान लगातार पांचवें दिनों से बावडी की सफाई का कार्य किया जा रहा है। कहा जाता है कि आस्था की प्रतीक इस बावडी के जल से चर्म रोग जैसी बीमारियां ठीक होती है

पांचवे दिनं मंदसौर की कई स्वयंसेवी संस्थाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता बढ चढकर हिस्सा ले रहे हैं। श्रमदान रोजाना सुबह 7 बजे से 9 बजे तक चलेगा। बावडी से कचरा एवं गाज निकालने का कार्य किया जा रहा है कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमन फरक्या, महेश दुबे, अजीजुल्लाह, शौकीन नलवाया नरेन्द्र,ललीत भाटी ,हरिओम गंधर्व, पैरा लीगल वालंटियर उषा सोलंकी,मोहिनी सिंह राणा, संजय निमा जन अभियान परिषद मंदसौर विकासखंड मंदसौर से चयनित नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, रतनलाल चौहान, मंजू भावसार, लाला भाई अजमेरी एवं नगर पालिका मंदसौर के कर्मचारी , शहर के कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक चेतना अभियान की संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। श्री सत्यसांई सेवा संगठन के प्रमुख पं.प्रकाश दीक्षित ने कहा कि भक्त प्रभु से कोई अभिलाषा नही करता, प्रभु के प्रसाद को सहर्ष स्वीकार करता है। प्रभु के प्रति पूर्ण समर्पण ही भक्त की संतुष्टी होती है। श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि व्यक्ति व्यसनग्रस्त, परिवार कलहग्रस्त, समाज रूढिग्रस्त, राष्ट्र भ्रष्टाचार ग्रस्त और विश्व आंतकग्रस्त हो रहा है। इनका सामना करने के लिये नैतिक एवं मानवीय मूल्यों का जीवंत होना जरूरी है। आपने कहा कि देर से सोना व देर से उठना, मोबाईल एवं अन्य संचार माध्यमो का दुरूपयोग एवं सामाजिक परम्पराओं में विकृतियां व्यसन का रूप ले चुकी है। जागरूकता के साथ सद्गुणों का विकास आवश्यक है। श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि अभिवादन सम्मान व्यक्त करने का माध्यम है। यह विनम्रता, सरलता और गुणग्राहिता का परिचायक है। इससे संबंधित शास्त्रीय व्यवस्था का पालन आवश्यक है। श्री बाबूलाल जैन ने कहा कि बच्चो, युवाओ एवं सभी उम्र वर्ग के व्यक्तियों मे शिष्टाचार एवं सदाचार के आचरण की आवश्यकता है। इस संबंध में हमारे धर्मग्रंथो एवं संत महापुरूषो द्वारा प्रतिपादित मापदण्डो का अनुसरण आवश्यक है। श्री कृष्णकुमार जोशी, श्री कन्हैयालाल पण्ड्या, श्री मोहनसिंह चैहान, श्री सुनील शर्मा, श्री रेवाशंकर पाटीदार, श्री राजकुमार जसवंत, श्री भंवरलाल माली ने संवाद मे सहभागिता की। श्री ओमप्रकाश सोनी, श्री भेरूलाल पटेल, श्री अमरनाथ भाटी एवं श्री योगेन्द्र जोशी ने भजन प्रस्तुत किये। मंगलाचरण श्री राजेन्द्र तिवारी ने किया। आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा एडवोकेट ने गतिविधियो की जानकारी की।

मोदी जी द्वारा शपथ लेते ही जिला भाजपा कार्यालय पर मनाया जश्न

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार नरेंद्र मोदी जी द्वारा शपथ लेते ही जिला भाजपा कार्यालय पर भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में जश्न मनाया गया।इस अवसर पर भारत माता चौराहा पहुंचकर भारत माता की प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया आतिशबाजी की गई तत्पश्चात एक दूसरे को मिठाई खिलाकर हर्ष जाहिर किया गया।

जल की हर बूँद बचाना है, हर जलस्रोत को स्वच्छ, समृद्ध बनाना है

नीमच, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जल की हर बूँद बचाना है, हर जलस्रोत को स्वच्छ, समृद्ध बनाना है। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था नीमच सुरेश लोक शिक्षण समिति द्वारा नीलकंठ महादेव बोरखेडी नदी में स्वच्छता श्रमदान किया गया। प्रात: 8 बजे से 10 बजे तक चले श्रमदान में विरेन्द्र सिंह ठाकुर जिला समन्वयक,ग्राम सरपंच देवकरण शर्मा सरपंच,कमल सिंह सचिव,विकास शर्मा,रामसिंह यादव सामाजिक कार्यकर्ता ,संस्था कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान सहित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के मेंटर्स सरिता शर्मा,मीनू त्रिपाठी और स्टूडेंट्स के साथ स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने सामूहिक श्रमदान से नदी के घाट की सफाई की एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण संगोष्ठी भी की गई।

मुस्लिम समाज के बच्चों का मुस्लिम महासभा ने किया सम्मान

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मुस्लिम महासभा जिला मंदसौर द्वारा 9 जून, रविवार को समेवाल विला नाहर सय्यद रोड मंदसौर पर प्रतिभा सम्मान समारोह-2024 का आयोजन किया गया। जिसमें मुस्लिम समाज के कक्षा 10वीं व 12वीं (हिन्दी व अंग्रेजी मीडियम दोनों) में सत्र 2023-24 में 70 प्रतिशत और इससे अधिक अंक प्राप्त कर मंदसौर शहर और मुस्लिम समाज का नाम रोशन करने वाले 80 होनहार बच्चों का मुस्लिम महासभा जिला मंदसौर द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में काजी ए शहर मंदसौर आसीफ उल्लाह सा., मुस्लिम महासभा प्रदेश अध्यक्ष मुनव्वर अली खान, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, शहर थाना प्रभारी श्री पुष्पेन्द्रसिंह राठौर, मुस्लिम महासभा प्रदेश कानूनी सलाहकार फरीद कय्युमी, मोटिवेशनल स्पीकर सर नवाज खान, हजरत युसुफ आलीम साहब माल्याखेडी, मुस्लिम महासभा मंदसौर कानूनी सलाहकार एडवोकेट अमजद खान, आजम मोहम्मद खान, पूर्व नपाध्यक्ष मो. हनीफ शेख, कांग्रेस शहर ब्लॉक अध्यक्ष राघवेन्द्रसिंह तोमर आदि ने शिरकत कर बच्चों की हौसला अफजाई की। काजी ए शहर मंदसौर आसिफ उल्लाह सा. ने कहा कि बच्चों का सम्मान करने से उन्हें तरक्की करने की प्रेरणा मिलती है। दूसरे बच्चे भी उस मुकाम पर पहुंचने हेतु प्रयत्न करते है। ऐसे आयोजन मुस्लिम समाज की आने वाली पीढी का उत्साहवर्धन करेगी। मुस्लिम महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुनव्वर अली खान ने कहा कि हमारा उद्देश्य मुस्लिम समाज के नई पीढी को शिक्षित कर उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोडना होना चाहिए। समाज का युवा हर क्षेत्र में प्रगति मुल्क की उन्नति में सहभागी बने। विधायक विपिन जैन ने कहा कि मुस्लिम महासभा ने समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का सराहनीय कार्य किया है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियो में भी बढावा देना चाहिए। इस अवसर मंचासीन अतिथियों ने संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत समाज के वरिष्ठजनों द्वारा पुष्पहार पहनाकर किया गया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, युसूफ खान, हामिद जैदी, हाशिम शेख, डॉ. गुलशेर खान, पूर्व सैनिक शाकीर हुसैन, काजी गजन अली सीतामऊ, एडवोकेट अनीस मंसूरी, अजहर अंसारी, रउफ खान मेव, पूर्व पार्षद साबिर हुसैन सहित मुस्लिम महासभा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मौलाना मुजफ्फर हुसैन सा. ने किया एवं अंत में आभार मुस्लिम महासभा के जिलाध्यक्ष आमिर पठान ने माना।

सांप सूंघ गया, लेकिन लकीर पीटने से अब भी बच जाए आज की भाजपा

भोपाल, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। 2024 के लोकसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी को कई सबक एक साथ दे गए हैं। गनीमत यह है कि भाजपा के लिए यह अब भी 'सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने' जैसी गंभीर स्थिति नहीं है।

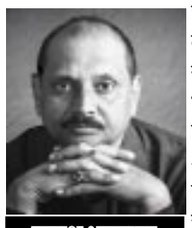
प्रकाश भटनागर

हां, एक नहीं कई चुनौतियां है। कई बार कांग्रेस के आज के नेतृत्व के लिए मैंने लिखा कि उस पार्टी में बिल्ली के गले में घंटी बांधने का साहस किसी में नहीं है। तो आज भाजपा के लिए यह कहा जा सकता है कि यहां किसी न किसी को नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा की आंखों पर चढे चश्मे को उतारने का साहस दिखाना ही होगा। ताकि यह खुलकर बताया जा सके कि किसी समय संसद की दो सीटों तक सिमटने के बाद उसी जगह पर पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा आज क्यों फिर सहयोगी दलों की बैसाखी पर झूलने के लिए मजबूर हो गई है।

सच कहें तो मामला 'सांप निकल गया' भर का नहीं है, बल्कि यह बात 'सांप सूंघ गया' वाली होनी चाहिए। और ये दुर्गंध खुद ही चुनी गई है। जिस भाजपा ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुशासन में कभी भी व्यक्ति पूजा को महत्व नहीं दिया, वही भाजपा वर्ष 2014 के बाद से 'मोदी हैं तो मुमकिन है' वाले उपासकों की जमात में शामिल हो गई। सामूहिक नेतृत्व की जगह सारे फैसले दो लोगों तक समेटने का परिणाम इसी अंजाम पर पहुंचना था। नेतृत्व आपके पास है, लेकिन सरकार का साईन बोर्ड भाजपा का नहीं एनडीए का है। यह भाजपा की हार है। और वो भी शर्मनाक तरीके से। सरकार बनाने का जश्न भले ही रणनीतिक तौर पर आप मना लें। लेकिन, हार का परिणाम पार्टी के कर्ताधर्ताओं को अपने सिर-माथे पर शिरोधार्य करना चाहिए, जो विगत लगभग एक दशक से खुद को इस पार्टी सहित केंद्रीय सत्ता के कर्णधार मानकर आपादमस्तक घमंड में चूर-चूर हो चुके थे।

सच तो यह हुआ कि मोदी सहित शाह और नड्डा वाली भाजपा 'तुम मेरी पीठ थपथपाओ, मैं तुम्हारी पीठ थपथपाता हूं' वाली 'परस्पर आत्मरति' की शिकार बना दी गई। इस तरह की सोच ने भाजपा को वर्ष 2014 से लेकर अब तक आत्ममुग्धता वाली अफीम चटायी और अब हुआ यह कि यह पार्टी केंद्र में सिंहासन तो दूर, चटाई के लिए भी मोहताज होकर रह गई है। आरक्षण या संविधान को लेकर ही बात कर ली जाए। केंद्र सरकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुद को त्रिफला मानकर इन मुद्दों से आंखें बंद कर लीं और इस दिशा में विपक्ष की सफल कोशिशें त्रिशूल बनकर भाजपा की संभावनाओं को चीर-फाड देने में सफल हो गई। यह सही था कि सात चरण वाली लंबी चुनावी प्रक्रिया के चलते इस चुनाव में जुड़े मुद्दे निरंतर बदलते रहे। विपक्ष और उसके गठबंधन के लिए यह सुविधाजनक स्थिति थी। भला केंद्र सरकार और भाजपा क्यों हर मौके पर 'जिस बर्तन में रखा जाए, उस तरह का स्वरूप' वाले निरंतर परकाया प्रवेश वाले मकडजाल में खुद ही उलझती चली गई? उलटा यह हुआ कि जैसे-जैसे विषय बदले, वैसे-वैसे ही प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के तेवर विषैले होते चले गए। गुजरात में बतौर मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार बनने से पहले की बात अलग है। तब आपने खूब आग उगली। वह सही प्रत्युत्तर था। तब देश की जनता देख रही थी कि आप खुद को 'मौत का सौदागर' कहे जाने के लांछन का मुखर होकर उत्तर दे रहे थे। लेकिन क्या इन आम चुनाव में सचमुच कुछ ऐसा था, जो आपको विचार और संवाद के तौर पर 'मुजरा' वाले स्तर पर लाने के लिए प्रेरित कर रहा था?

दरअसल समस्या यह रही कि इंडी गठबंधन इस सरकार और संगठन को एक के बाद एक मुद्दों में उलझाता रहा और इन सबके जवाब में यह तक नहीं किया जा सका कि समूचे राष्ट्र के हित वाली अपनी उपलब्धियों को याद दिलाने की गरज से दोहराया जा सके। वजह यह कि आज वाली भाजपा अपने पुराने स्वरूप और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शैली के अनुरुप अपने कार्यक्रमों को घर-घर तक विश्वास के साथ पहुंचाने में घनघोर तरीके से असफल हो गई। इसके चलते हुआ यह कि देश में तेजी से विकसित हुआ इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक की समाप्ति, राम मंदिर का निर्माण, महिलाओं और गरीब कल्याण के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश को पहली बार सुपर पॉवर बनाने जैसी महती उपलब्धियों के बावजूद आप खेत रहे। सीधी-सी वजह यह कि जिनके ऊपर इन उपलब्धियों को आम जनता तक निरंतर रूप से पहुंचाने का दायित्व था, उन्हीं के सिर पर पांव रखकर आज की भाजपा ने उनके सोचने-समझने-करने की शक्ति को चकनाचूर कर दिया। नतीजा सामने है। फिर भी सांप निकल जाने के बाद लकीर पीटने जैसी स्थिति से बचने का विकल्प आज भी आज की भाजपा के पास मौजूद है। भाजपा के तमाम कांग्रेसीकरण के बावजूद इस पार्टी में अभी अपनी गलतियों से सबक सीखने की क्षमता बाकी है।

घुन को मिटाना है तो तीखी धूप में जाने का साहस दिखाए भाजपा...

हालिया संपन्न आम चुनावों के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी के लिए मामला जटिल प्रक्रिया और विकट चुनौती वाला हो चुका है। बात बिलकुल ऐसी है, जैसे कि अनाज के ढेर से घुन लगे हिस्सों को निकालकर अलग करना हो। यूं तो इसका एक तरीका यह भी होता है कि ऐसे पूरे अनाज को तीखी धूप में रख दिया जाए। जैसा कि पहले भी कहा गया कि भाजपा के लिए स्थिति में सुधार की संभावना अब भी शेष है। यह पार्टी अब भी चाहे तो अपने लिए असह्य बन चुके सत्य के तापमान में जाकर घुन को खत्म करने का प्रयास करे। नरेंद्र मोदी की बहुत बड़ी उपलब्धि यह रही कि वह लगातार दो कार्यकाल तक पूर्ण बहुमत के साथ सरकार चलाने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। तीसरे कार्यकाल के साथ ही वह इस मामले में जवाहरलाल नेहरू के कीर्तिमान के समीप आ गए हैं। लेकिन मोदी के नेतृत्व की असली परीक्षा अब आरंभ हुई है। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार सफलता के साथ पांच साल तक चली तो सोनिया गांधी की अगुआई में यूपीए सरकार ने दस साल तक उल्लेखनीय रूप से शासन चलाया। वाजपेयी अपनी सर्व-स्वीकार्य छवि के चलते सहयोगी दलों की गुड बुक में बने रहे और यूपीए के समय कांग्रेस राजनीति में इतनी बेअसर हो चुकी थी कि कांग्रेस तब गठबंधन वाले दलों को अपने पर हावी होने से रोकने में कामयाब नहीं हो पाई। खुद कांग्रेस के राजपरिवार ने प्रधानमंत्री को उनकी नौकरशाही छवि से बाहर नहीं आने दिया। एक ईमानदार प्रधानमंत्री की सरकार घपलों घोटालों में बदनाम होती चली गई। इन दृष्टांतों की रोशनी में अब देखना होगा कि मोदी क्या करेंगे। गठबंधन में बनने वाली मोदी सरकार में भाजपा यूपीए की कांग्रेस की तुलना में ज्यादा मजबूत है। वर्ष 2014 से लेकर पूरे एक दशक तक मोदी ने अपने दम पर और अपने तरीके से सरकार चलाई। एक तरह से समूचा भाजपा संगठन भी मोदी की परछाई बनकर ही रह गया। तो क्या इस शक्ति के अभिमान में मोदी भी वह गलतियां करते चले गए, जो कभी कांग्रेस के सियासी मिजाज की खास पहचान हुआ करती थीं और जिनके चलते मोदी की अकूत ताकत वाले दौर में यह दल अंतत: कमजोर होता चला गया? वह समय अभी अतीत की बहुत अधिक गहराई में नहीं समाया है, जब कांग्रेस पश्चिम बंगाल से लेकर दक्षिण और उत्तर भारत में सबसे बडी शक्ति हुआ करती थी। फिर यह हुआ कि इंदिरा गांधी तथा राजीव गांधी के दौर में इन राज्यों के अपने ही क्षत्रपों को पार्टी ने कमजोर करना शुरू कर दिया। ताकि कोई भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की लकीर से बडा होना तो दूर, उसके बराबर तक भी न आ सके। काफी हद तक यह प्रक्रिया सोनिया गांधी और राहुल गांधी के समय भी कायम रही। इसका परिणाम हुआ कि कांग्रेस एक-एक कर इन जगहों पर कमजोर होती चली गई। मोदी के बीते दस साल भी कुछ ऐसे ही रहे हैं। कुछ उदाहरण से इसे समझा जा सकता है। बीते विधानसभा चुनाव के बाद मध्यप्रदेश से शिवराज सिंह चौहान की विदाई और राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया के पर कतर दिए गए। यह सही है कि इस समय तक शिवराज साढ़े सोलह साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रह चुके थे और राजस्थान में एक से अधिक बार इसी पद को सुशोभित कर चुकीं सिंधिया कई वजह से पार्टी की नजरों में खटकने लगी थीं। फिर भी पुरानी भाजपा के हिसाब से ठीक यही होता कि चौहान और सिंधिया से जुड़े निर्णय उन्हें विश्वास में लेकर किए जाते। ऐसा नहीं हुआ। उल्टे राजस्थान, छत्तीसगढ और मध्यप्रदेश में तो सट्टा खोलने के अंदाज में जिस तरह मुख्यमंत्री पद की पर्ची खोली गई, उसने केंद्रीय सत्ता को लेकर मोदी की भाजपा के उन्माद का परिचय ही दिया था। अब राजस्थान में भाजपा की संभावनाओं को तगडा झटका लग चुका है और मध्यप्रदेश में ऐसा इसलिए नहीं हो पाया कि शिवराज अपनी तासीर के अनुरूप हालात के हिसाब से ढलते चले गए तथा डॉ. मोहन यादव सहित विष्णु दत्त शर्मा को मोदी लहर सहित शिवराज काल की जमीन पर तैयार अनुकूल परिस्थितियों के बीच अपने प्रयासों में भरपूर सफलता मिल गई। लेकिन, हर जगह मामला शिवराज जैसा नहीं है। महाराष्ट्र में किसी समय के कद्दावर मुख्यमंत्री रहे देवेंद्र फडणवीस आज उप मुख्यमंत्री होकर रह गए है। वही महाराष्ट्र, जहां भाजपा के साथ चल रही एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार अपने मुख्य प्रतिद्वंदी शिवसेना (उद्धव गुट) के आगे इस चुनाव में औंधे मुंह गिर पडी है।

अब जब आज की भाजपा में क्षत्रपों की ऐसी दुर्गति की गई तो फिर आम कार्यकर्ता इससे भला कैसे अछूता रह सकता था? पार्टी में कहीं न कहीं यह संदेश किसी अंडर करंट के झटके की तरह प्रसारित हो चुका है कि कार्यकर्ता केवल और केवल दिल्ली दरबार के लिए दिल से समर्पित रहे। यह उस दल के लिए विचित्र स्थिति है, जिसके अधिसंख्य कार्यकर्ता उसकी रीढ की हड्डी जैसा महत्व रखते हैं। जो अब तक किसी व्यक्ति की बजाय पार्टी और संघ की विचारधारा के अनुयायी रहे हैं। रही-सही कसर संगठन महामंत्री जैसी मजबूत व्यवस्था को मजबूर बनाकर पूरी कर दी गई। आज हालत यह है कि संघ भी अब अपने प्रचारकों को भाजपा में भेजने से कतरा रहा है। कर्नाटक, महाराष्ट्र और राजस्थान में लंबे समय से संघ ने भाजपा के लिए अपने प्रचारकों को संगठन मंत्री के दायित्व के लिए नहीं भेजा है। कारण यह है कि अब संघ से जाने वाले भाजपा के प्रचारक भी सत्ता से शक्तिशाली हुई भाजपा में गंदी राजनीति के शिकार हो रहे हैं। ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। इन सब विसंगतियों को सुधारना आज भाजपा की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। यह तब ही हो सकेगा, जब इस दल के पांच सितारा संस्कृति में रचे-बसे कर्णधार 'चना-चबैना और दरी बिछाने' जैसे कड़े परिश्रम की धूप में तप कर एक बार फिर अपने भीतर घर कर चुकी घुन को खत्म करने का साहस दिखा सकें।

अतीत की धूल में अपनी भूल तलाशे आज की भाजपा...

आम चुनाव के नतीजों के संदर्भ में नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा वाली भारतीय जनता पार्टी की भीषण गलतियों को एक और उदाहरण से सहूलियत के साथ समझा जा सकता है। अयोध्या लोकसभा सीट से पार्टी ने स्वनाम धन्य लल्लू सिंह को टिकट दिया। जिस भाजपा को हम जानते हैं, उसके लिए यह उल्लेखनीय रूप से प्रसिद्ध है कि यह दल सदैव इलेक्शन मोड में रहता है। उसके कर्ताधर्ता बराबर इस बात पर नजर रखते हैं कि उसके किस नेता में चुनाव जीतने के लिहाज से पर्याप्त क्षमता है। निश्चित ही इस निर्णय में कई बार चूक भी हो जाती है, लेकिन लल्लू सिंह का मामला चूक नहीं, बल्कि घनघोर लापरवाही का प्रतीक था। न जाने चयनकर्ता क्यों इस बात से आंख मूंद कर बैठे रहे कि सिंह का इस क्षेत्र में जबरदस्त विरोध है। वह आम लोगों से संपर्क और संवाद सहित आचार-व्यवहार के लिहाज से भाजपा तो दूर, मतदाता के क्राइटेरिया पर भी खरे नहीं उतरते हैं। शायद पार्टी को यह 'अंधविश्वास' हो गया कि उसकी सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर बना है, इसलिए इस सीट से चाहे जिसे भी उतार दो, वह आम जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा ही उतरेगा। इसके चलते यह हुआ कि राम मंदिर की भाजपा की लहलहाती सियासी फसल के बाद भी लल्लू खेत रहे और किसी समय अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलवाने वाली समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार ने यहां से जीत हासिल कर ली।

ऐसा ही भाजपा ने अनेक स्तर पर किया। बात अयोध्या की हो रही है, तो यह भी सामयिक है कि मोदी सहित शाह और नड्डा ने इस चुनाव में हिंदुत्व की लहर को अपने अनुकूल मानने की भूल भी कर ली। यह काठ की हांडी को बार-बार चढाने जैसा बचकाना प्रयोग रहा। मुस्लिम मतदाताओं ने लगभग सदैव से ही धर्म को लेकर गजब का एका दिखाया है। पश्चिम बंगाल और उत्तरप्रदेश के बीते विधानसभा चुनाव में इस वर्ग ने भाजपा को हराने के लिए जो सामूहिक ताकत दिखाई, वह किसी से छिपी नहीं है। भाजपा इस बात को चुनाव के अंत तक समझने के बाद अपने लिए नई चुनौती मान कर आगे बढी, लेकिन तब तक प्रतिकूल हालात इस दल से चार कदम आगे बढ चुके थे। विपक्षी दल बेरोजगारी, महंगाई और आरक्षण जैसे मसले पर भाजपा के हिंदू वोट बैंक में भी सेंध लगाने में कामयाब हो गए। यह सब इतनी ठोस तैयारी और सावधानी के साथ किया गया कि चुनाव के अंतिम चरण में मोदी का 'मुस्लिम आरक्षण' को लेकर आक्रामक रुख भी शेष वर्ग के मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सका।

भाजपा में संगठन के स्तर पर कई प्रक्रियात्मक बदलाव भी इस दौरान हुए। उम्मीदवारों के चयन में भी स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के वरिष्ठनेताओं तक को भरोसे में लेने की परंम्परा इन दस सालों में खत्म सी हो गई है। 'मोदी के मन में मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश के मन में मोदी' जैसे नारे क्षेत्र के ताकतवार नेताओं को एक तरह से नीचा दिखाने की कोशिशों से ज्यादा क्या थे। मध्यप्रदेश के मन में शिवराज थे, मोहन यादव हो सकते हैं, वीडी शर्मा हो सकते हैं या मध्यप्रदेश का कोई और भी नेता हो सकता है। मोदी को तो आप देश के मन में ही रहने देते। राज्यों के स्तर पर अगर वहां की जनता के मन में उस राज्य का कोई नेता नहीं है तो मान लीजिए भाजपा का कांग्रेसीकरण हो चुका है। केन्द्रीय नेतृत्व ही अगर राज्यों के फैसले लेने लगा है तो क्या यह कांग्रेस के आलाकमान कल्चर का भाजपा में प्रवेश नहीं है। केन्द्रीय नेतृत्व ने राज्यों में जाकर वाराही एनालेटिक्स और एसोसिएशन आफ ब्रिलियंट माइंड जैसी एजेंसियों के नौसिखिए युवाओं की टोली के सर्वे के आधार पर राज्यों में उम्मीदवारों के चयन को पैमाना बना लिया। इसमें भाजपा के संगठन और जमीन से जुडे कार्यकर्ताओं और नेताओं की राय को हाशिए पर ढकेल दिया। संघ और संघ के अनुषांगिक संगठनों से जुडे लोगों की राय का भी कोई महत्व नहीं रहा। भाजपा में मंडल से लेकर जिले से उम्मीदवारों के नामों का पैनल पहले राज्य में जाता था। उसके बाद प्रदेश चुनाव समिति में चर्चा के बाद केन्द्रीय चुनाव समिति में जाकर राज्य के शीर्ष नेताओं से चर्चा के बाद उम्मीदवार तय होते थे। ये सारी प्रक्रिया पिछले दस सालों में भाजपा में तिरोहित हो गईं। ऊपर से बीच चुनाव में जेपी नड्डा कह गए कि भाजपा को अब संघ की मदद की दरकार नहीं है। जाहिर है दो चरणों के बचे हुए चुनाव में इसका साफ असर दिखा। सोशल मीडिया के योद्धाओं के भरोसे बैठी भाजपा जमीन पर लडने वालों की उपेक्षा पर उतर आई। नड्डा के बयान से संदेश यह गया कि भाजपा ने खुद को संघ से स्वतंत्र मान लिया। यह तो ऐसा हुआ कि बेटा बाप से कहे कि अब मैं स्वतंत्र हूं, कायदे से होता यह है कि बाप बेटे को यह संदेश दे सकता है कि अब तुम स्वतंत्र हो। यहां नड्डा ने उलटी गंगा बहा दी।

अब जो परिदृश्य है, उसमें मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री हैं। लेकिन वर्ष 2014 और 2019 के मुकाबले आज की तस्वीर पर विवशता की धूल साफ देखी जा सकती है। नीतीश कुमार और एन चंद्रबाबू नायडू भले ही चार जून से पहले मोदी के आगे कुछ 'कम' नजर आते रहे हों, लेकिन आज इन नेताओं का जो कद है, वह उन्हें काफी हद तक प्रधानमंत्री पद के लिए रिमोट कंट्रोल थामने वाली स्थिति में ले आया है। ऐसे में मोदी की नेतृत्व क्षमता की असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। उन्हें यह साबित करना होगा कि 56 इंच के सीने को अपनी ताकत दिखाने के लिए अब भी 'आयातित धड़कन' वाली विवशता की आवश्यकता नहीं है। क्या ऐसा हो पाएगा? आज की भाजपा ने भूल तो बहुत कर लीं, अब उसके लिए समय है कि वह अतीत की धूल का अवलोकन करे। उसमें छपे अपने पांव के निशान को गौर से देखे। सही तरीके से पडताल करे कि कैसे उन निशानों में वह रेखाएं नहीं दिख रही हैं, जो अब तक के सफल सफर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की सीख और आदर्शों की जीवंत इबारत से युक्त थीं। कमल को धूल का फूल बनाने के बाद उसका खोया गौरव लौटाने का रास्ता संघ के गलियारों से होकर ही गुजरता है। सवाल यही कि आज की भाजपा क्या इस बारे में कुछ सोचना चाहेगी?

नगरपालिका द्वारा कुएं-बावड़ियों की सफाई का कार्य जारी

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कल रविवार को वार्ड नं. 12 में नाग देवता मंदिर के पास वाली बावडी की सफाई कियेजाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। नपा परिषद के जनप्रतिनिधियों व भाजपा उत्तर मण्डल के पदाधिकारियों ने यहां पहुंचकर बावडी को साफ किये जाने हेतु श्रमदान भी किया। नगरपालिका परिषद के द्वारा दिनांक 6 जून से 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मंदसौर नगर के कुएं-बावडियों की सफाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत कल रविवार को नपा परिषद मंदसौर व भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने यहां पहुंचकर श्रमदान किया और बावडी की सफाई की। इस कार्य के अंतर्गत इस बावडी से कुडा करकट साफ किया गया। कुएं में पडी गंदगी एवं आसपास के क्षेत्र की भी सफाई की गई। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रितेश चावला, भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत, रेडक्रास सोसायटी चेयरमेन प्रीतेश चावला, जलकार्य सभापति श्री निलेश जैन, सीएमओ सुधीर कुमार सिंह, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुनीता

भावसार, पूर्व नपाध्यक्ष श्रीमती कुसुम गुप्ता, महिला नेत्री श्रीमती सुषमा आर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर, पार्षदगण दीपक गाजवा, नरेन्द्र बंधवार, नंदलाल गुजरिया, भाजपा नेता योगेश गुप्ता, अशोक भावसार, सुभाष गंगवाल, सुनील योगी, सुनील पोरवाल, महेश लखेरा, अजय रत्नावत आदि ने श्रमदान किया। लगभग 2 घण्टे चले इस श्रमदान में इस कुएं की सफाई का जो कार्य हुआ उससे इस कुएं का जल पेयजल के लायक हो गया है। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि नपा का यह अभियान आगामी समय में भी जारी रहेगा और इसके अंतर्गत नगर के जिन कुएं बावडियों की सफाई की जाना है वह की जायेगी। भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष श्री अरविन्द सारस्वत ने कहा कि नपा परिषद का यह कार्य सराहनीय है। भाजपा संगठन के कार्यकर्ता इस अभियान से जुड़कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कार्य करेंगे।

गेंती, फावड़ा व कुदाल थामकर जिला प्रशासन के साथ आम जन उतरे 500 वर्ष पुरानी बावड़ी को साफ करने

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। नदियों व जलाशयों को पुनर्जीवन देना जल गंगा संवर्धन अभियान का अहम पहलू है। नागरिकों की भागीदारी से इस काम को आगे बढाया जा रहा है। इसी सिलसिले में जिला प्रशासन, नगर पालिका, जन अभियान परिषद, सामाजिक कार्यकर्ता, आम नागरिक

शनिवार को गेंती, फावडा, कुदाल व तस्सल थामकर स्थानीय निवासियों के साथ साफ-सफाई के लिये मंदसौर शहर में गुरु कृपा कॉलोनी में स्थित 500 वर्ष पुरानी बावडी में उतरे। सभी ने श्रमदान कर प्राचीन बावडी को पुनर्जीवित करने में सभी से सहयोग करने का आह्वान किया। राज्य सरकार की पहल पर शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भूमि जल व वर्षा जल को सहेजने के लिए पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने का काम किया जा रहा है। मंदसौर शहर सहित जिले के अन्य कस्बों एवं ग्रामीण अंचल में जन सहभागिता से जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हुआ है। यह अभियान 16 जून तक चलेगा। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थानीय लोगों ने भी हाथ बटाया। भूमि का जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। हमें वर्षा जल सहेजने के लिए साझा प्रयास करने होगें। यह काम अकेले शासन व प्रशासन से संभव नहीं है। इसमें समाज को भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करना होगा। जिले में हर दिन जल संरचनाओं को सहेजने का कार्य किया जा रहा है। जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों से होकर बह रहीं नदियों, सहायक नदियों, बाँध, तालाब व अन्य जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण कार्य के लिये सुनियोजित योजना बनाकर काम किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती चावला, नगर पालिका सीएमओ, जन अभियान परिषद, सामाजिक कार्यकर्ता, आम नागरिक, पत्रकार सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी श्रमदान में सहभागिता की।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बालाजी मंदिर से कलश यात्रा निकाली

मंदसौर, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आज मंदसौर शहर में महिला बाल विकास विभाग द्वारा बालाजी मंदिर से जिराफ गार्डन होते हुए तेलिया तालाब तक कलश यात्रा निकाली गई। तेलिया तालाब स्थित सम्राट यशोधर्मन की मूर्ति के समीप यात्रा का समापन किया गया। यात्रा से सामाजिक एवं धार्मिक महत्व की जल संरचनाओं के संरक्षण का मैसेज दिया गया। एक अन्य कार्यक्रम के तहत भावसार धर्मशाला खानपुरा मंदसौर बावडी के पास से होते हुए भगवान पशुपतिनाथ मंदिर शिवना घाट तक कलश यात्रा का आयोजन किया गया एवं धार्मिक महत्व के जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान महिला बाल विकास विभाग अधिकारी श्री पीसी चौहान, परियोजना अधिकारी बी आर मुजाल्दे, पर्यवेक्षक शकुंतला डामोर, कार्यकर्ता, आमजन, पत्रकार उपस्थित थे।

एमपी में 3 दिन होगी ताबड़तोड़ प्री-मानसून बारिश, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

भोपाल, 09 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में बंगाल की खाडी से आ रही पूर्वी हवा से तेवर नरम रहे। तापमान भी गिरकर 42।5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जिससे दिन में झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिली है।

मौसम विभाग के अनुसार 9 जून को तापमान में एक से डेढ डिग्री सेल्सियस की बढोतरी हो सकती है, लेकिन 10 जून को फिर हीटवेव चलेगी। इससे पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंचेगा। 10 से 13 जून के बीच हीटवेव का अलर्ट जारी है। जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में चक्रवातीय घेरा भी बना हुआ है। इस कारण पूर्वी व उत्तर पूर्वी हवा चली। यह हवा अपने साथ नमी लेकर आ रही है, जिससे हल्के बादल भी छाए और धुंध भी छाई रही। इससे सूरज के तेवर नरम

पड गए। न्यूनतम तापमान 30.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जिससे रात में हल्की उमस रही। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा।

दो घेरों की वजह से बिगडा मौसम-

✻ उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है। इस घेरे की वजह से पश्चिमी हवा शांत रही, पूर्वी हवा चली, जिससे नमी आई। इसके अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में 6 चक्रवातीय घेरे बने हुए हैं। ✻ मानसून की दक्षिण शाखा तेज गति से आगे बढ रही है, लेकिन पूर्वी शाखा 31 मई के बाद से आगे नहीं बढी है। इस कारण गर्मी हावी हो रही है। मौसम विभाग ने 15 जून के बाद इस शाखा के आगे बढने के आसार जताए हैं। ✻ मौसम विभाग ने रायसेन, सीहोर, बैतूल, बुरहानपुर, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, आगर मालवा, डिंडोरी, छिंदवाडा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, सागर, पांढुर्णा जिलों में भी अच्छी खासी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में ओलावृष्टि भी हो सकती है और 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। इसके अलावा हरदा, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, पन्ना, दमोह, छतरपुर, बडवानी, अलीराजपुर, भोपाल, विदिशा, राजगढ, नर्मदा पुरम में भी बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS.B-107 श्री दोलतराम पिता श्री राधाकिशन को मण्डल आदेश क्रमांक 8284 दिनांक 13.10.1983 आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 17.02.2004 एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 15.03.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था।

श्री दोलतराम पिता श्री राधाकिशन द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती लता रहवानी पति श्री प्रदीप कुमार रहवानी विक्रय पत्र दिनांक 04.04.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती लता रहवानी पति श्री प्रदीप कुमार रहवानी अपने नाम से करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक EWS.B-107 संजीत मार्ग मंदसौर का नामान्तरण श्रीमती लता रहवानी पति श्री प्रदीप कुमार रहवानी के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.III-130 श्री चांदमल जैन पिता श्री बापूलाल जैन को मण्डल आदेश क्रमांक 790 दिनांक 25.03.2011 द्वारा नामांतरित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 13.04.2018 को उप-पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था।

श्री चांदमल जैन पिता श्री बापूलाल जैन द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती जीनाबाई गुर्जर पति श्री समरथ गुर्जर कर विक्रय पत्र दिनांक 02.02.2023 को उप-पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती जीनाबाई गुर्जर पति श्री समरथ गुर्जर अपने नाम से करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति / उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक MIG.III-130 गाँधी नगर मंदसौर का नामान्तरण श्रीमती जीनाबाई गुर्जर पति श्री समरथ गुर्जर के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in